RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:92 ता. 02 अक्टूबर 2022, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पीएम मोदी ने लॉन्च की 5 जी सर्विस

देश के इन शहरों में मिलेगा सुपरफास्ट इंटरनेट

नई दिल्ली ।

भारतीय इंटरनेट यूजर्स के लिए 5 जी का इंतजार खत्म करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में 5 जी इंटरनेट सेवाएं लॉन्च कर दी हैं। उन्होंने दिल्ली के प्रगति मैदान में आज 1 अक्टूबर से शुरू हुए इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2022 आयोजन के पहले दिन इन सेवाओं की शुरुआत की। इसके बाद सबसे पहले इंडस्ट्रीज और फिर बाकी यूजर्स के लिए ये 5 जी सेवाएं रोलआउट की जाएंगी। लगभग सभी टेलिकॉम कंपनियों ने 5 जी रोलआउट के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। आयोजन में शोकेस किए गए 5 जी सेवाओं के इस्तेमाल, सॉल्यूशंस और उनसे जुड़ी संभावनाओं के प्रदर्शन में भी प्रधानमंत्री ने हिस्सा लिया और इनके काम करने का तरीका समझा। आईएमसी 2022 आयोजन में 100 से ज्यादा स्टार्ट-अप्स ने भी हिस्सा लिया है, जो 5 जी से जुड़े सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर सॉल्यूशंस पर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इंटरनेट की 5वीं जेनरेशन के साथ आने वाले बदलावों को समझने के लिए पूरा वक्त लिया और समझा कि अलग-अलग क्षेत्रों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। दूरसंचार विभाग ने बताया है कि 5 जी सेवाओं का फायदा सबसे पहले 13 शहरों में रहने वाले यूजर्स को मिलेगा। इन शहरों में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, चंडीगढ़, बेंगलुरु, गुरुग्राम, हैदराबाद, लखनऊ, पुणे, गांधीनगर, अहमदाबाद और जामनगर शामिल हैं। इन शहरों के बाद साल के आखिर तक बाकी बड़ी शहरों और अगले साल अन्य सर्कल्स में भी 5 जी सेवाओं से जुड़ा नेटवर्क तैयार किया जाएगा और इसका फायदा यूजर्स को मिलेगा। हालांकि, अभी केवल 8 शहरों में इनका फायदा मिल रहा है। बीते दिनों सामने आया है कि भारत में 5 जी सेवाएं इस्तेमाल करने वाले यूजर्स को 4 जी के मुकाबले 20 गुना तक तेज इंटरनेट स्पीड का फायदा मिल सकता है और वे 20 जीबी तक स्पीड अनुभव कर सकेंगे। हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय ग्राहक 5 जी सेवाओं में अपग्रेड के लिए 45 प्रतिशत तक प्रीमियम देने को तैयार हैं। बता दें, देश में 5 जी रेडी स्मार्टफोन्स वाले 10 करोड़ से ज्यादा यूजर्स हैं।

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक पहुंची राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा', 24वें दिन बारिश ने डाला व्यवधान

गुंडलुपेट (कर्नाटक)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगुवाई में निकाली जा रही भारत जोड़ो यात्रा इस समय कर्नाटक में है और बारिश के कारण शनिवार को यात्रा में विघ्न पड़ा है। कर्नाटक में यात्रा का शनिवार को दूसरा दिन है और गुंडलूपेट में मूसलाधार बारिश की वजह से यात्रा बाधित हुई। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, यात्रा शनिवार को चामराजनगर जिले के तोंडावाड़ी से सुबह साढ़े छह बजे आगे बढ़नी थी। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, भारत जोड़ो यात्रा अपने 24वें दिन बेगुर से सुबह साढ़े छह बजे शुरू होनी थी, लेकिन बारिश के कारण इसमें विलंब हो गया है। 15 दिनों के अंतराल के बाद बारिश हुई और इससे किसानों को फायदा होगा। यह निश्चित रूप से वही है जिसके लिए प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से यात्रा निकाली जा रही है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को सुबह तमिलनाडु के गुडलुर से कर्नाटक के गुंडलूपेट पहुंचे। कर्नाटक में यात्रा 21 दिन में 511 किलोमीटर का सफर तय करेगी। कन्याकुमारी से सात सितंबर को शुरू हुई यह यात्रा 30 जनवरी 2023 को जम्मू में संपन्न होगी।

कांग्रेस अध्यक्ष की रेस में अब इतने कैंडिडेट किसका फॉर्म हुआ रिजेक्ट

नई दिल्ली । कांग्रेस का नया अध्यक्ष चुने जाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस बीच कांग्रेस नेता मधुसूदन मिस्त्री ने इस चुनाव के बारे में अहम जानकारियां दी हैं। गौरतलब है कि मधुसूदन मिस्त्री कांग्रेस के सेंट्रल इलेक्शन अथॉरिटी के चेयरमैन हैं। मिस्त्री ने बताया कि कल कुल मिलाकर 20 फॉर्म जमा किए गए थे। इनमें से स्क्रूटनी कमेटी ने 4 फॉर्म रिजेक्ट कर दिए हैं। उनके मुताबिक इन फॉर्म्स में सिग्नेचर को लेकर कुछ इश्यू थे। मिस्त्री ने बताया कि नाम वापसी के लिए 8 अक्टूबर आखिरी तारीख है। मधुसूदन मिस्त्री ने बताया कि अगर 8 अक्टूबर तक अध्यक्ष पद के दावेदारों की तस्वीर स्पष्ट हो जाएगी। अगर इस दिन तक कोई नाम वापसी नहीं होती है तो फिर चुनाव की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। फिलहाल कांग्रेस अध्यक्ष की रेस में जो दो बड़े नाम आगे दिखाई दे रहे हैं, वह हैं मल्लिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर। वहीं केएन त्रिपाठी का फॉर्म सिग्नेचर इश्यूज के चलते रिजेक्ट कर दिया गया है। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष पद की दौड़ में दिग्विजय सिंह भी शामिल थे। हालांकि बाद में उन्होंने नामांकन नहीं करने का फैसला किया।

राजस्थान में अनुपयोगी भूमि पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर सकेंगे किसान

जयपुर । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किसानों को अपनी अनुपयोगी अथवा बंजर भूमि पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने में सहायता करने के लिए सौर कृषि आजीविका योजना को मंजूरी दी है। इस योजना से किसानों को अपनी अनुपयोगी भूमि लाभकारी लीज दर पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए देकर आजीविका उपार्जित करने में सुविधा होगी तथा उनका जीवन स्तर ऊपर उठेगा। योजना के अंतर्गत एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया गया है। जहां किसान-भूमि मालिक अपनी जमीन को सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए लीज पर देने हेतु पंजीकृत करा सकते हैं। भूमि विकासकर्ता उक्त किसानों द्वारा पोर्टल पर डाला गया भूमि विवरण देख सकते हैं तथा नियमानुसार सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर सकते हैं। सौर कृषि आजीविका योजना से विकासकर्ता भी संयंत्र स्थापित करने के लिए सुगमता से पीएम कुसुम योजना के तहत केन्द्रीय अनुदान (लागत का 30 प्रतिशत) प्राप्त कर सकेंगे। प्रदेश सरकार द्वारा भूमि मालिक-किसान, विकासकर्ता तथा संबंधित डिस्कॉम या कंपनी के मध्य त्रिपक्षीय अनुबंध किया जाएगा ताकि भूमि मालिक-किसान को जोखिम से सुरक्षा प्रदान किया जाना सुनिश्चित हो सके। इस निर्णय से सौर ऊर्जा उत्पादन बढ़ने से प्रदेश सरकार के राजस्थान को एक हरित ऊर्जा राज्य बनाने के लक्ष्य को भी हासिल किया जा सकेगा। ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों पर निर्भरता कम होने से पर्यावरण प्रदूषण का स्तर कम होगा तथा आमजन को राहत मिलेगी।

पीएम मोदी बोले- केंद्र 'इंटरनेट फॉर ऑल' के लक्ष्य पर कार्यरत

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के प्रगति मैदान में इंडिया मोबाइल कांग्रेस के उद्घाटन अवसर पर कहा कि केंद्र 'इंटरनेट फॉर ऑल' के लक्ष्य पर कर काम रही है। इस अवसर केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद रहे। इस मौके पर पीएम मोदी ने छठी इंडिया मोबाइल कांग्रेस में 5जी सेवाओं की शुरुआत की। इंडिया मोबाइल कांग्रेस अक्टूबर 1-4 तक चलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार 'इंटरनेट फॉर ऑल' के लक्ष्य पर काम कर रही है। डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ने के साथ ही डेटा की कीमत भी उतनी अहम होती है। यह तीसरा स्तंभ था जिस पर हमने काम किया। हमने टेलिकॉम सेक्टर की तमाम अड़चनों को हटाया। इससे डेटा की कीमतों में कमी आई और देश में डेटा क्रांति हुई है। मोदी ने कहा कि सरकार ने खुद आगे बढ़कर डिजिटल भुगतान का रास्ता आसान बनाया। सरकार ने खुद ऐप के जरिए नागरिक केंद्रित वितरण सेवा को बढ़ावा दिया। बात चाहे किसानों की हो, या छोटे दुकानदारों की, हमने उन्हें ऐप के जरिए रोज की जरूरतें पूरी करने का रास्ता दिया है।

कांग्रेस अध्यक्ष उम्मीदवार बनते ही शशि थरूर के बदले सुर

नई दिल्ली ।

जी-23 की मुखर आवाज रहे सांसद शशि थरूर के सुर कांग्रेस अध्यक्ष का उम्मीदवार बनते ही बदल गए हैं। उन्होंने शनिवार को कहा कि गांधी परिवार को गुड बॉय बोलना बेवकूफी होगी। थरूर ने कहा, 'गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी का डीएनए एक ही है। कांग्रेस की ऐतिहासिक भूमिका रही है, जिसमें गांधी और नेहरू परिवार के लोगों ने बड़े रोल निभाए हैं। इसलिए कोई भी अध्यक्ष इतना बेवकूफ नहीं है कि गांधी परिवार को गुड बॉय बोल दे। गांधी परिवार बहुत बड़ा एसेट है।' शशि थरूर ने भारत जोड़ो यात्रा की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'मैं केरल में भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होकर आया हूं। मैंने लोगों में राहुल गांधी के प्रति उत्साह देखा है। हजारों-लाखों की तादात में लोग समर्थन के लिए सड़क पर आ रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा 150 दिन तक चलने वाली है, जबकि हमारे चुनाव 20 दिन में खत्म हो जाएंगे। इसलिए कांग्रेस का जो नया अध्यक्ष चुनकर आए, उसे भारत जोड़ो यात्रा को आगे बढ़ाना चाहिए। नए कांग्रेस चीफ को इस यात्रा में खुद भी शामिल होना चाहिए। मालूम हो कि जी-23 कांग्रेस के उन 23 असंतुष्ट नेताओं का समूह है, जो लगातार पार्टी के भीतर सुधार की मांग करते रहे हैं। इसे लेकर थरूर ने खुद कई बार जोर-शोर से आवाज उठाई है। लेकिन अब उनके सुर बदले हुए नजर आ रहे हैं। थरूर ने कहा कि गांधी परिवार कांग्रेस में रहेगा और उसे रहना भी चाहिए। इनका रोल बहुत स्पेशल है। उन्होंने कहा कि संविधान में अध्यक्ष को पूरी ताकत दी गई है। उसे किसी से पूछने की जरूरत नहीं है, लेकिन गांधी परिवार से चर्चा की जा सकती है। अध्यक्ष पद को लेकर चुनाव कराए जाने पर थरूर ने कहा, 'कांग्रेस पार्टी के अंदर जो लोकतंत्र था, उसको हम दिखा रहा हैं। यह किसी और पार्टी के अंदर नहीं है। मैंने एक लेख लिखा था कि पार्टी में क्यों चुनाव जरूरी है, जिसके बाद पार्टी के कई लोगों और कार्यकर्ताओं ने संपर्क कर मुझे चुनाव लड़ने के लिए कहा।' कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव में जीते के दावेदार माने जा रहे मल्लिकार्जुन खड़गे को लेकर थरूर ने कहा, 'खड़गे साहब महत्वपूर्ण अंग है। वे बहुत वरिष्ठ नेता हैं। टॉप 3 नेताओं में उनका नाम तो आएगा ही। वे राज्य सभा में विपक्ष के नेता भी हैं और हर अहम विषय में उनका नाम होता है। राजस्थान में भी जब समस्या हुई उस पर भी खड़गे साहब जयपुर गए थे।

चार अक्टूबर को दो दिवसीय दौरे पर जम्मू-कश्मीर जाएंगे गृहमंत्री शाह

नई दिल्ली । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह चार अक्टूबर को दो दिवसीय दौरे पर जम्मू-कश्मीर जाएंगे। इस दौरान वह दो जनसभाओं को संबोधित करने और माता वैष्णो देवी मंदिर में पूजा अर्चना करने वाले हैं। दौरे के पहले दिन शाह सुबह रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद राजौरी में आयोजित जनसभा को संबोधित करने और विकास परियोजनाओं की शुरुआत एवं शिलान्यास करने वाले हैं। केंद्रीय गृह मंत्री पांच अक्टूबर को श्रीनगर स्थित राजभवन में होने वाली बैठक में जम्मू-कश्मीर के सुरक्षा हालात की समीक्षा करने वाले हैं। इस उच्च स्तरीय बैठक में जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा, सेना, अर्धसैनिक बल, राज्य पुलिस और नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी हिस्सा लेने वाले हैं।

केंद्र आज पीएम किसान योजना की 12वीं किस्त के दो हजार रुपए कर सकती है ट्रांसफर

नई दिल्ली । केंद्र सरकार को पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 12वीं किस्त को 30 सितंबर तक किसानों के खाते में ट्रांसफर करना थी जो अभी भी लंबित है। सवाल है कि आखिर कब तक किसानों के बैंक खाते में 2000 रुपये आएंगे। अब खबर आ रही है कि केंद्र सरकार आज 2 अक्टूबर को पीएम किसान योजना की 12वीं किस्त ट्रांसफर कर सकती है। दरअसल, 2 अक्टूबर को लाल बहादुर शास्त्री और महात्मा गांधी की जयंती है। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के हित में कई बड़े फैसले लिए थे। उन्होंने ही जय जवान, जय किसान का भी नारा दिया था। इसी तरह, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी किसानों के लिए संघर्ष किया था। जानकारों की मानें तो केंद्र सरकार के लिए किसानों को पैसे ट्रांसफर करने का ये सबसे सही दिन है। योजना की डिटेल- केंद्र सरकार ने साल 2019 में पीएम किसान योजना की शुरुआत की थी। योजना के तहत सरकार हर साल आर्थिक रूप से कमजोर किसानों को 6000 रुपये देती है। ये रकम तीन समान किस्तों में दी जाती है। हर किस्त में 2000 रुपये ट्रांसफर किए जाते हैं। 12 करोड़ लोगों को फायदा- किसानों के खाते में अब तक कुल 11 किस्त के पैसे आ चुके जा चुके हैं। आखिरी किस्त 11,19,83,555 करोड़ किसानों के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किए गए थे। अब 12वीं किस्त के लिए 12 करोड़ से ज्यादा लोग दायरे में हैं। हालांकि, इसके लिए ई-केवाईसी अनिवार्य है।

दिल्ली में इस बार भी दीपावली पर नहीं मिलेगी पटाखे चलाने की अनुमति

-सीएम केजरीवाल ने घोषित की शीतकालीन कार्य योजना

नई दिल्ली ।

हरियाणा और पंजाब जैसे पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने का मौसम शुरू होने के साथ ही दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब होने लगी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार शुक्रवार को समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 154 (मध्यम) दर्ज किया गया। राष्ट्रीय राजधानी का एक्यूआई गुरुवार को 141 (मध्यम) और बुधवार को 118 (मध्यम) दर्ज किया गया था। 432 एक्यूआई के साथ, आनंद विहार में वायु गुणवत्ता शुक्रवार को गंभीर श्रेणी में थी, जबकि आईटीओ ने 232 की एक्यूआई दर्ज की, जो खराब श्रेणी में आती है। इस बीच, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए 15 सूत्रीय शीतकालीन कार्य योजना की घोषणा की। केजरीवाल ने कहा, सर्दियों का आगमन तय है, और हम अक्सर देखते हैं कि सर्दियों के आने पर प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। दिल्ली सरकार ने कई एजेंसियों के परामर्श से शहर में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए कमर कस ली है। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से होने वाला वायु प्रदूषण सबसे बड़ी चिंता का विषय है। सीएम केजरीवाल ने कहा कि पूसा संस्थान द्वारा तैयार बायो डीकंपोजर किसानों को मुफ्त में दिया जाएगा। दूसरा, 6 अक्टूबर को धूल विरोधी अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही 586 टीमों द्वारा सक्रिय निगरानी की जाएगी। सीएम केजरीवाल ने कहा कि वाहनों से होने वाले प्रदूषण के लिए पीयूसी नीति को लागू करने की जांच के लिए करीब 380 टीमों का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि पिछले साल की तरह इस साल भी पटाखों पर प्रतिबंध रहेगा।

पीएफआई की हिट लिस्ट में 5 आरएसएस नेताओं के नाम मिलेगी वाई श्रेणी सुरक्षा

नई दिल्ली ।

केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को इनपुट मिला है कि प्रतिबंधित कट्टरपंथी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की हिट लिस्ट में केरल के पांच आरएसएस नेता हैं। संभावित खतरे को भांपते हुए गृह मंत्रालय ने इन नेताओं को 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान देने की घोषणा की। सूत्रों के अनुसार, एनआईए को छापेमारी के दौरान केरल पीएफआई सदस्य मोहम्मद बशीर के घर से एक सूची मिली, जिसमें कथित तौर पर पीएफआई के रडार पर आरएसएस के पांच नेताओं के नाम थे। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय जांच एजेंसी को जानकारी मिली है कि प्रतिबंध लगाने के बाद केरल के पांच आरएसएस नेता पीएफआई की हिट लिस्ट में हैं। एनआईए ने मामले की जानकारी गृह मंत्रालय को साझा की, जिसके बाद सरकार ने यह फैसला लिया। गृह मंत्रालय ने एनआईए और इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की रिपोर्ट के आधार पर केरल में आरएसएस के पांच नेताओं को 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा देने का फैसला किया है। आरएसएस नेताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अर्धसैनिक बलों के कमांडो तैनात किए जाएंगे। गौरतलब है कि एनआईए को छापेमारी के दौरान केरल पीएफआई सदस्य मोहम्मद बशीर के घर से एक सूची मिली, जिसमें कथित तौर पर पीएफआई के रडार पर आरएसएस के पांच नेताओं के नाम थे। सूत्रों के अनुसार, आरएसएस नेताओं को सुरक्षा देने वाले कुल 11 कर्मी (पांच और व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए छह) शिफ्ट में काम करेंगे। इन नेताओं को सुरक्षा देने का फैसला खुफिया रिपोर्टों के आधार पर लिया गया है। बताते चलें कि केंद्र सरकार ने बीते बुधवार को पीएफआई और उसके सहयोगियों पर सुरक्षा और आतंकी संबंधों के खतरे का हवाला देते हुए पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत कुल नौ संगठनों को 'गैरकानूनी' घोषित किया गया है।

अशोक गहलोत फिर दिखाएंगे जादू या सचिन पायलट बनेंगे मुख्यमंत्री सोनिया गांधी का फैसला

नई दिल्ली ।

राजस्थान कांग्रेस में अभी भी सियासी संकट बरकरार है। अशोक गहलोत और सचिन पायलट की लड़ाई पर पार्टी के आलाकमान को फैसला करना है। पार्टी का कहना है कि सोनिया गांधी राजस्थान के मुख्यमंत्री के बारे में एक-दो दिन में फैसला ले लेंगी। इसके बाद सभी की निगाहें राजस्थान पर टिकी हैं। अशोक गहलोत ने भले ही यह कहा है कि उनके लिए पद कोई मायने नहीं रखता और वह पार्टी को मजबूत बनाना चाहते हैं, लेकिन उनके विधायकों ने अभी भी अपना इस्तीफा वापस नहीं लिया है। उनका साफ कहना है कि दिल्ली के फैसले के बाद ही वह अपने स्टैंड पर विचार करेंगे। इससे पहले अशोक गहलोत ने कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना समर्थन दिया और इसके तुरंत बाद अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। गहलोत ने खड़गे का प्रस्तावक बनने के बाद कहा था, 'मेरे लिए, कोई पद महत्वपूर्ण नहीं है। देश में कांग्रेस को मजबूत बनाने की जरूरत है और हर भारतीय ऐसा कह रहा है।' यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने सोनिया गांधी से भेंट के दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की पेशकश की, गहलोत ने इसका कोई सीधा जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा, ''मैं गांधी परिवार के आशीर्वाद से पिछले 50 वर्ष से कई पदों पर रहा हूं। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी ने मुझे अपना आशीर्वाद दिया। मेरे लिए पद मायने नहीं रखता बल्कि यह मायने रखता है कि पार्टी को कैसे मजबूत किया जाए। मैं इसके लिए हरसंभव कोशिश करूंगा।'' उन्होंने आगे कहा, 'अगर मैं अभी कोई पद छोड़ता हूं, तो कहा जाएगा कि जब कांग्रेस संकट से गुजर रही है तो अशोक गहलोत भाग रहे हैं... मैं वही करूंगा जो आलाकमान कहेगा।

अशोक गहलोत ने जयपुर में कांग्रेस विधायक दल की बैठक नहीं हो पाने और संबंधित घटनाक्रम के लिए गुरुवार को पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात कर माफी मांगी थी और कहा कि वह अब अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ेंगे। राजस्थान से जुड़े सियासी घटनाक्रम के बीच कांग्रेस के संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के संदर्भ में सोनिया गांधी अगले एक-दो दिन में फैसला करेंगी।

सार समाचार

मुंबई हवाई अड्डे पर महिला के सैंडल से 4.9 करोड़ रुपये का कोकीन बरामद, गिरफ्तार

मुंबई। सीमा शुल्क विभाग ने मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक महिला यात्री को गिरफ्तार कर उसके सैंडल में छिपाये गये 4.9 करोड़ रुपये मूल्य का कोकीन बरामद किया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। यह घटना बृहस्पतिवार की है, जब मादक पदार्थ की तस्करी में जुटी महिला को संदेह के आधार पर पकड़ लिया गया। अधिकारी ने बताया कि तलाशी के दौरान महिला के सैंडल में बने खोखले खांचों में छिपाकर रखा गया 490 ग्राम कोकीन बरामद किया गया जिसका बाजार मूल्य 4.9 करोड़ रुपये है। महिला को छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने संदेह के आधार पर पकड़ा। मुंबई के सीमा शुल्क विभाग ने ट्वीट करके बताया कि कोकीन को छिपाने के लिए सैंडल में विशेष तरह के खांचे बनवाए गए थे। इसमें बताया गया कि यात्री को गिरफ्तार करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आरोपी के ठिकाने और उसके बारे में विस्तृत विवरण का अभी इंतजार है।

केदारनाथ मंदिर के पास हिमस्खलन से यात्रियों में भय, अधिकारियों ने कहा- चिंता करने की जरुरत नहीं

देहरादून। उत्तराखंड में केदारनाथ मंदिर के पास शनिवार सुबह हिमस्खलन होने से तीर्थयात्रियों में भय व्याप्त हो गया, जबकि अधिकारियों ने कहा कि मंदिर आने की योजना बनाने वालों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा, ''सुबह करीब 6.30 बजे केदार डोम और स्वर्गारोहिणी के बीच एक ग्लेशियर टूटकर मंदिर के पीछे स्थित चोराबाड़ी झील के पास गिरा। झील पर बर्फ के ढेर तीन से चार मिनट तक लटके रहे।'' मंदिर के ठीक पीछे हिमस्खलन होने से भक्तों में भय व्याप्त हो गया जिसने उन्हें 2013 के केदारनाथ बाढ़ की याद दिला दी, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे। हालांकि, अजय ने कहा कि ग्लेशियर टूटने से मंदाकिनी और सरस्वती नदियों के जलस्तर में वृद्धि नहीं हुई और घबराने की जरूरत नहीं है। अजय ने कहा कि एहतियात के तौर पर स्थानीय प्रशासन और गढ़वाल मंडल विकास निगम लिमिटेड, बीकेटीसी और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें जलस्तर पर लगातार नजर रखे हुए हैं। उन्होंने कहा, ''घटना हिमालय क्षेत्र में मंदिर से बहुत दूर हुई, जहां इस तरह की घटनाएं आम हैं। मंदिर के आसपास की बस्ती केदारपुरी पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। केदारनाथ धाम यात्रा पर आने वालों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

नागालैंड और अरूणाचल के कुछ हिस्सों को 6 माह के लिए अशांत क्षेत्र घोषित किया गया

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह-मंत्रालय ने नागालैंड और अरूणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों को अफस्पा कानून के अंतर्गत अगले 6 माह के लिए अशांत क्षेत्र घोषित किया है। गृह मंत्रालय ने इसको लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। गृह मंत्रालय ने अपनी अधिसूचना में अरूणाचल प्रदेश को लेकर कहा कि पूरे राज्य में कानून व्यवस्था की समीक्षा की गई। इसके बाद अरुणाचल प्रदेश में तिरप, चांगलांग एवं लांगडिंग जिलों तथा असम राज्य की सीमा से लगे अरुणाचल प्रदेश के नामसई जिले में नामसई एवं महादेवपुर पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र के भीतर आने वाले क्षेत्रों को सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम 1958 की धारा 3 के अंतर्गत दिनांक 01 अक्टूबर 2022 से 6 माह तक अशांत क्षेत्र के रूप में घोषित किया जाता है या जब तक कि इसे इससे पहले वापस न लिया जाए। वहीं, अधिसूचना में गृह मंत्रालय ने नागालैंड को लेकर कहा कि संपूर्ण नागालैंड राज्य में कानून और व्यवस्था की आगे और समीक्षा की गई है। इसलिए अब नागालैंड राज्य में दीमापुर, निउलैंड, चुमुकेदिमा, मोन, किफिरे, नोकलाक, फेक, पेरेन और जुनहेबोटो जिलों और कोहिमा जिले में खुजामा, कोहिमा उत्तर, कोहिमा दक्षिण, जुबजा और केजोचा पुलिस थाने, इसके अलावा मोकोकचुंग जिले में मांगकोलेंबा, मोकोकचुंग-लोंगथो, तुली, लोंगचेम और अनाकी सी पुलिस थाने और लोंगलेंग जिले में यांगलोक पुलिस थाना और वोखा जिले में भंडारी, चांमपांग, रालान और सुंगरो पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों को सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम 1958 की धारा 3 के अंतर्गत दिनांक 01 अक्टूबर 2022 से 6 माह तक अशांत क्षेत्र के रूप में घोषित किया जाता है या जब तक कि इसे इससे पहले वापस न लिया जाए। गौरतलब है कि अफ्सपा के अंतर्गत सुरक्षा बलों को इन इलाकों में कहीं भी अभियान चलाने और किसी को भी बिना वारंट के गिरफ्तार करने का अधिकार रहता है। सूत्रों के मुताबिक दोनों राज्यों के इन क्षेत्रों में हत्या, लूट और फिरौती के मामलों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

महबूबा की गृहमंत्री शाह से अपील, अल्ताफ शाह को मानवीय आधार पर रिहा करे

श्रीनगर ।पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अल्ताफ शाह को मानवीय आधार पर रिहा करने की अपील की, जो गुर्दे के कैंसर से ग्रस्त है। अल्ताफ शाह दिवंगत अलगाववादी नेता सयैद अली गिलानी का दामाद है। अल्ताफ को वर्ष 2017 में छह अन्य के साथ आतंकवाद के वित्त पोषण मामले में गिरफ्तार किया गया था। वह इनदिनों दिल्ली स्थित राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) की चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती है। महबूबा ने ट्वीट किया, शाह को कैद में रखना अमानवीय है, क्योंकि वह गंभीर रूप से बीमार है। केंद्रीय गृह मंत्री से उन्हें मानवीय आधार पर रिहा करने का अनुरोध करती हूं, ताकि वह इस मुश्किल समय में अपने परिवार के साथ रह सके।महबूबा ने यह टिप्पणी अल्ताफ शाह की बेटी रुआ शाह के ट्वीट पर की। रुआ ने बीती रात ट्वीट किया था, मेरे पिता को गुर्दे का कैंसर होने की बात पता चली है और यह उनकी हड्डियों सहित शरीर के अन्य हिस्सों में फैल रहा है। मेरे पूरे परिवार की ओर से अनुरोध है कि हमें उनसे मिलने दिया जाए और स्वास्थ्य आधार पर उनकी जमानत अर्जी पर विचार करे। रुआ ने अपने ट्वीट में केंद्रीय गृह मंत्री और प्रधानमंत्री को टैग किया है।

10 साल की मासूम से किया रेप, अदालत ने सुनाई 142 साल की सजा, 5 लाख का जुर्माना भी लगाया

नई दिल्ली। केरल के पठानमथिट्टा की एक पोक्सो अदालत ने 10 साल की बच्ची के साथ दो साल तक यौन उत्पीड़न करने वाले 41 वर्षीय व्यक्ति को 142 साल के कठोर कारावास और 5 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अदालत ने व्यक्ति को सजा सुनाई और कहा कि अगर आरोपी ने जुर्माना नहीं भरा तो उसे तीन साल और कारावास भुगतना होगा। यह जिले में एक पॉक्सो मामले में किसी आरोपी को दी गई अधिकतम सजा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इससे पहले अगस्त में केरल की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने नाबालिग सौतेली बेटी के साथ रेप के मामले में व्यक्ति को पॉक्सो के तहत कई अपराधों में कुछ 30 साल कैद की सजा सुनाई थी। आनंदन पीआर उर्फ ??बाबू के रूप में पहचाने जाने वाले व्यक्ति को 60 साल जेल की सजा काटनी होगी। 20 मार्च 2021 को तिरुवल्ला पुलिस ने उसके खिलाफ 2019 और 2021 के बीच 10 साल की बच्ची के साथ बलात्कार करने और उन दो वर्षों के दौरान कई बार क्रूर तरीके से यौन उत्पीड़न करने का मामला दर्ज किया। बाबू एक रिश्तेदार था और बच्ची के माता-पिता के साथ उसी आवास में रहता था। पथानामथिट्टा जिला पुलिस ने कहा, ऽमामले में जहां प्रमुख पोक्सो अभियोजक वकील जेसन मैथ्यूज अभियोजन पक्ष के लिए पेश हुए, गवाह के बयान, मेडिकल रिकॉर्ड और सबूत अभियोजन पक्ष के पक्ष में मजबूत थे। तिरुवल्ला पुलिस निरीक्षक हरिलाल ने मामला दर्ज किया और जांच की और कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। जिला पुलिस ने कहा कि कुल 142 साल का कठोर कारावास और पोक्सो के तहत सूचीबद्ध अपराधों के लिए आरोपियों पर कुल 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

चार अक्टूबर को दो दिवसीय दौरे पर जम्मू-कश्मीर जाएंगे गृहमंत्री शाह

नई दिल्ली ।केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह चार अक्टूबर को दो दिवसीय दौरे पर जम्मू-कश्मीर जाएंगे। इस दौरान वह दो जनसभाओं को संबोधित करने और माता वैष्णो देवी मंदिर में पूजा अर्चना करने वाले हैं। दौरे के पहले दिन शाह सुबह रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद राजौरी में आयोजित जनसभा को संबोधित करने और विकास परियोजनाओं की शुरुआत एवं शिलान्यास करने वाले हैं। केंद्रीय गृह मंत्री पांच अक्टूबर को श्रीनगर स्थित राजभवन में होने वाली बैठक में जम्मू-कश्मीर के सुरक्षा हालात की समीक्षा करने वाले हैं। इस उच्च स्तरीय बैठक में जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा, सेना, अर्धसैनिक बल, राज्य पुलिस और नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी हिस्सा लेने वाले हैं। शाह श्रीनगर में विभिन्न विकास परियोजनाओं की शुरुआत और शिलान्यास करने से पहले बारामूला में जनसभा को संबोधित करने वाले हैं।

गुजरात : केजरीवाल ने हर गांव में स्कूल और कच्छ में नर्मदा का पानी पहुंचाने का वादा किया

अहमदाबाद।(एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि अगर उनकी पार्टी की गुजरात में सरकार बनी तो प्रत्येक गांव में सरकारी स्कूल बनाए जाएंगे और कच्छ जिले के कोने-कोने तक नर्मदा का पानी पहुंचाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस साल के दिसंबर में गुजरात विधानसभा चुनाव होने हैं। केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं और अहमदाबाद से 400 किलोमीटर दूर कच्छ जिले के गांधीधाम में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

केजरीवाल ने दावा किया, '' दिल्ली में सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी मेडिकल और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश पा रहे हैं। अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी पाने के बाद वे अपने परिवार को गरीबी से बाहर निकालेंगे। लेकिन गुजरात के बारे में मुझे पता चला है कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)कच्छ में सरकारी स्कूलों को बंद कर रही है।'' उन्होंने कहा, ''मैं वादा करता हूं कि 'आप'गुजरात की सत्ता में आने के बाद यहां के प्रत्येक गांव में सरकारी स्कूल खोलेगी और नर्मदा का पानी कच्छ क्षेत्र के प्रत्येक कोने में पहुंचाएगी। हमें अपने बच्चों के भविष्य के लिए केवल एक मौका दीजिए।'' केजरीवाल ने यह भी कहा कि अगर उनकी पार्टी की गुजरात में सरकार बनी तो सभी 33 जिलों में सरकारी अस्पतालों का निर्माण किया जाएगा जहां पर लोगों को मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिलेगा।

केजरीवाल ने कच्छ जिले के गांधीधाम में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों को प्रत्येक महीने क्रमशः पांच हजार और चार हजार यूनिट बिजली मुफ्त मिल रही है, लेकिन राज्य सरकार आम लोगों को 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा करने पर उन्हें बरा-भुला कह रही है। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा,''आप शासित दिल्ली और पंजाब के लोगों का शून्य बिजली बिल आ रहा है। यह गुजरात में भी किया जा सकता है। लेकिन ये लोग (भाजपा) मुझे भला-बुरा कह रहे हैं कि मैं 'रेवड़ी'(मुफ्त का उपहार) बांट रहा हूं। चुनाव जीतने के बाद एक मार्च से आपको भी शून्य बिजली बिल मिलेगा।'' इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मान ने कहा कि पंजाब में 74 लाख परिवारों के बिजली के मीटर हैं जिनमें से 51 लाख को कोई भुगतान नहीं करना पड़ा जिसे शून्य आम तौर पर शून्य बिल कहते हैं। मान और केजरीवाल का शाम को जूनागढ़ में एक और रैली संबोधित करने का कार्यक्रम है।

दिल्ली में इस बार भी दीपावली पर नहीं मिलेगी पटाखे चलाने की अनुमति, अभी से बिगड़ी हवा की गुणवत्ता

-सीएम केजरीवाल ने घोषित की शीतकालीन कार्य योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

हरियाणा और पंजाब जैसे पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने का मौसम शुरू होने के साथ ही दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब होने लगी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार शुक्रवार को समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 154 (मध्यम) दर्ज किया गया। राष्ट्रीय राजधानी का एक्यूआई गुरुवार को 141 (मध्यम) और बुधवार को 118 (मध्यम) दर्ज किया गया था। 432 एक्यूआई के साथ, आनंद विहार में वायु गुणवत्ता शुक्रवार को गंभीर श्रेणी में थी, जबकि आईटीओ ने 232 की एक्यूआई दर्ज की, जो खराब श्रेणी में आती है।

इस बीच, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए 15 सूत्रीय शीतकालीन कार्य योजना की घोषणा की। केजरीवाल ने कहा, सर्दियों का आगमन तय है, और हम अक्सर देखते हैं कि सर्दियों के आने पर प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। दिल्ली सरकार ने कई एजेंसियों के परामर्श से शहर में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए कमर कस ली है। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से होने वाला वायु प्रदूषण सबसे बड़ी चिंता का विषय है। सीएम केजरीवाल ने कहा कि पूसा संस्थान द्वारा तैयार बायो डीकंपोजर किसानों को मुफ्त में दिया जाएगा। दूसरा, 6 अक्टूबर को धूल विरोधी अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही 586 टीमों द्वारा सक्रिय निगरानी की जाएगी। सीएम केजरीवाल ने कहा कि वाहनों से होने वाले प्रदूषण के लिए पीयूसी नीति को लागू करने की जांच के लिए करीब 380 टीमों का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि पिछले साल की तरह इस साल भी पटाखों पर प्रतिबंध रहेगा।

केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दीप प्रज्जवलित कर ''स्वच्छता अभियान'' कार्यक्रम का किया शुभारम्भ

लक्ष्मीकांत पाण्डेय संवाददाता प्रयागराज। केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने संगम क्षेत्र से स्वच्छता अभियान का शुभारम्भ करते हुए श्रमदान कर प्लास्टिक कचरे को थैले में इकट्ठा किया तथा सभी लोगो को अभियान से जुड़कर अभियान को सफल बनाने का किया आह्वहन केन्द्रीय मंत्री, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार अनुराग ठाकुर ने शनिवार को यूनाइटेड इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नैनी में आयोजित ''स्वच्छता अभियान'' कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलित कर शुभारम्भ किया केंद्रिय मंत्री अनुराग ठाकुर ने अपने सम्बोधन में प्रयागराज की पावन धरती को नमन करते हुए कहा कि पिछले वर्ष स्वच्छ भारत अभियान का शुभारम्भ प्रयागराज से ही हुआ था पिछले वर्ष 75 लाख किलो प्लास्टिक कचरे के निस्तारण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिससे कहीं ज्यादा प्लास्टिक कचरे का निस्तारण पूरे देश में किया गया इस बार 100 लाख किलो प्लास्टिक कचरे के निस्तारण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है मां गंगा की कृपा और व्यापक जनभागिता से यह लक्ष्य भी सफलता पूर्वक प्राप्त किया जायेगा, इस लक्ष्य को हमें अगले एक माह के अंदर पूरा करने का आज हमें संकल्प लेना होगा, मेरा ऐसा विश्वास है कि हम यह लक्ष्य प्राप्त कर लेंगे और पूरे देश को प्लास्टिक कचरे से मुक्त कर सुंदर बनाने का कार्य करेंगे उन्होंने कहा कि युवा जब किसी कार्य को करने की ठान लेता है, तो हर कार्य सम्भव हो सकता है युवाओं के साथ-साथ अधिकारियों, कर्मचारियों, महिलाओं, बच्चों व सभी लोगो को इस अभियान से जोड़कर देश को स्वच्छ बनाने का कार्य करना है मंत्री ने कहा कि आज हम लोग आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे है अमृत काल के लिए संकल्प ले रहे है, जहां हम अगले 25 साल में देश को आगे लेकर जायेंगे जब देश 2047 में अपनी आजादी की 100वीं वर्षगांठ मना रहा होगा, तब हम देश को एक नई ऊंचाईयों तक ले जा चुके होंगे इन सब के लिए हमें स्वच्छता अभियान की सबसे पहले शुरूआत करनी होगी स्वच्छ होंगे तो सुंदर होंगे, स्वस्थ होंगे, सशक्त होंगे। स्वच्छता के साथ ही विकास भी जुड़ा हुआ है और स्वच्छता की इस मुहिम के साथ हम देश को सुंदर बनायेंगे और प्रयागराज की इस धरती से स्वच्छता की शुरूआत कर पूरे देश में स्वच्छता का संदेश देंगे मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि 1850 शहरों में जब एक स्वच्छता अभियान को लेकर इंडियन स्वच्छता लीग हुई, तो उसमें भी स्वच्छता की दृष्टि से अभूतपूर्व कार्य किया गया, जिसमें प्रयागराज को नम्बर-1 का स्थान प्राप्त हुआ उन्होंने कहा कि यह अभियान जनता की भागीदारी के बिना सफल नहीं हो सकता है मंत्री ने प्रयागराज को कचरे के निस्तारण में देश में नम्बर-1 स्थान पर पहुंचाने के लिए यहां के जनप्रतिनिधिगणों, अधिकारियों के साथ आमजनता बधाई के पात्र है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज देश की अर्थव्यवस्था तेजी के साथ आगे बढ़ रही है प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज देश बिना किसी भेदभाव के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूलमंत्र पर आगे बढ़ रहा है प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कोविड-19 की वैक्सीन को पूरे देश में मुफ्त में उपलब्ध करायी गयी इसके साथ ही इस घड़ी में कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे, इसके लिए पूरे देश के लोगो को मुफ्त राशन भी उपलब्ध कराया पूरे देश में 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण कराकर महिलाओं को सम्मान दिलाने के साथ ही भारत को स्वच्छ बनाने में इन शौचालयों का भी योगदान रहा, यह प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता को दर्शाती है मंत्री जी ने सभी से यह अपील करते हुए संकल्प लेने के लिए कहा कि हम कचरे को इधर-उधर न फेंककर कचरे को हम डस्टबिन में ही डालेंगे प्रयाग की धरती पर आयोजित कुम्भ-2019 के आयोजन को जिस स्वच्छता के साथ किया गया, उसकी पूरे विश्व में सराहना हुई है हमें प्रयागराज को हमेशा ही स्वच्छता के पैमाने पर आगे ही रखना है उन्होंने प्रयागराज की धरती से स्वच्छता अभियान का आगाज ऐसा होना चाहिए कि उसका संदेश पूरे देश में जाये मंत्री जी ने सभागार में उपस्थित सभी लोगो को ''स्वच्छ भारत'' की शपथ दिलायी तथा स्वच्छता से सम्बंधित पुस्तक का अनावरण भी किया

आईएमडी बोला- मॉनसून कूच के बाद भी दिल्ली होगी तरबतर

नई दिल्ली । मानसून की विदाई तय है पर मौसम विभाग ने इसको लेकर आशंका जताई है कि राजधानी दिल्ली में इसके बाद भी झमाझम हो सकती है। दिल्ली में धुंध, धूप और रात की नरम ठंडक मौसम में बदलाव का संकेत दे रही है। हालांकि, अभी मौसम सामान्य बना हुआ है लेकिन आईएमडी के मुताबिक, दिल्ली में एक बार फिर बादलों का पहरा और हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में मॉनसून की विदाई हो चुकी है, लेकिन इसके बाद भी अक्टूबर के पहले हफ्ते में हल्की बारिश के आसार बने हुए हैं।

मौसम विभाग की भविष्यवाणी के मुताबिक, दिल्ली में 1 अक्टूबर से 3 अक्टूबर तक धूप में नरमी और बादलों का पहरा देखने को मिल सकता है। राष्ट्रीय राजधानी में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री रह सकता है। जबकि 4 अक्टूबर से 6 अक्टूबर तक हल्की बारिश होने के आसार हैं। इन दिनों अधिकतम तापमान 30 से 34 डिग्री के बीच और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री के बीच हो सकता है।

मौसम वैज्ञानिकों का दावा है कि दिल्ली में ये मॉनसूनी बरसात नहीं होगी। जाते मॉनसून में दिल्ली में लगातार बारिश देखने को मिली और राष्ट्रीय राजधानी से मॉनसून ने 29 सितंबर 2022 को विदाई ले ली है। मौसम विभाग के मुताबिक, मॉनसून के दौरान दिल्ली में 19 प्रतिशत कम बारिश हुई है। हालांकि, सितंबर में दिल्ली में 164.5 एमएम मॉनसून की बारिश दर्ज की गई।

'भारत जोड़ो यात्रा' का कर्नाटक में दूसरा दिन, बारिश के कारण सुबहथोड़ी देर से शुरू हुई

गुंडलुपेट (कर्नाटक)।(एजेंसी)।

बारिश के कारण थोड़ी देर बाधित रहने के बाद शनिवार सुबह कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा शुरू हुई, जिसमें भारी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, गांधी को सुबह 6.30 बजे अपना मार्च शुरू करना था, हालांकि इसमें करीब 45 मिनट की देरी हुई। बारिश रुकने के बाद, गांधी ने तोंडवाडी गेट से अपना पैदल मार्च शुरू किया और वह चामराजनगर जिले के गुंडलुपेट स्थित कलाले गेट पहुंचे। वह शाम साढ़े चार बजे तक आराम करेंगे और एक बार फिर अपनी यात्राशुरू करेंगे। सूत्रों ने बताया, राहुल गांधी मैसूर के तांडवपुरा में रात्रि विश्राम करेंगे। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेता आज 23 किलोमीटर पैदल चलेंगे। गांधी के साथ पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनके विधायक पुत्र यतींद्र सिद्धारमैया, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डी के शिवकुमार, एचसी महादेवप्पा, एमबी पाटिल, केजे जॉर्ज और प्रियांक खड़गे भी थे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष शुक्रवार सुबह पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के गुडलुर से कर्नाटक के गुंडलुपेट पहुंचे थे। गांधी अपनी यात्रा के दौरान राज्य में 511 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 21 दिन बिताएंगे। यात्रा सात सितम्बर को कन्याकुमारी से शुरू हुई थी और 30 जनवरी 2023 को यह जम्मू पहुंचेगी।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की विश्व स्तर पर गरिमा बड़ी : ओमप्रकाश सिंह

राजेश मौर्या संवाददाता, जौनपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विश्व स्तर पर गरिमा बड़ी है और भारत विश्व गुरु बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर आज पूरा देश जन्मदिन पखवाड़ा मना रहा है ।प्रधानमंत्री के अतुलनीय योगदान से देश निरंतर विकास के पथ पर तेजी के साथ अग्रसर है आज विदेशों में भारत की जो स्थिति है वह अद्भुत है आज जब हम देखते हैं कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर अमेरिका जैसे देश का राष्ट्रपति खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के पास उनका सम्मान करने के लिए आता है वह अपने आप में बहुत बड़ी बात है । प्रधानमंत्री ने जिस तरह से देश के सर्वोच्च पद पर देश के प्रथम नागरिक के रूप में एक वंचित दलित की बेटी को पहुंचाया यह पूरे भारतवर्ष के दलित समाज के लिए गौरव की बात है ।

पीएम मोदी के कार्यकाल पर नजर डालने से जो बात हमें सबसे अधिक प्रभावित करती है वह है उनकी लंबी समय से चली आ रही समस्याओं को जड़ से समाप्त करने में गहरी दिलचस्पी और संकट के समय नेतृत्व शक्ति प्रदान कर भारत को प्रगति के पथ पर अग्रसर बनाए रखने की रणनीति। मोदी सरकार ने सबको रोटी और इज्जत दी है भारत को अंतराष्ट्रीय मंचों पर गर्व कराया है ।वही अयोध्या का राम जन्मभूमि विवाद सालों से देश में तनाव का एक निरंतर कारण बना हुआ था। मोदी सरकार के कार्यकाल में ही 9नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुनाए गए ऐतिहासिक फैसले के बाद इस मामले का हमेशा के लिए समाधान संभव हो पाया। अयोध्या में राम जन्मभूमि कॉरिडोर में आज निर्माण कार्य तेजी से जारी है,2024 की मकर संक्रांति को रामलला के अपने जन्म भूमि पर बने मंदिर में दर्शन देने की आशा है। वर्षो तक तनाव का दंश झेल रही अयोध्या नगरी अब 2030 तक अनुमानित हर साल पांच करोड़ भक्तों के दर्शन के लिए तैयारी को अंतिम रूप देने में जी-जान से जुटी है ।श्रीराम मंदिर का निर्माण अयोध्या में हमेशा शांति बनाए रखने के साथ-साथ आर्थिक विकास की एक नई गाथा की नींव भी रखेगा। जम्मू कश्मीर की आम जनता लंबे समय से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और तत्कालीन केंद्र सरकारों द्वारा इस संबंध में कोई भी प्रभावी कदम ना उठाने के चलते बुरी तरह से पिस रही थी,आतंकवादियों के दिनों दिन बढ़ते हौसले रोकने में राज्य और केंद्र सरकार नाकाम रही थी। पीएम मोदी ने इस संबंध में 2019 में आर्टिकल 370 और 35a को खत्म कर एक ऐतिहासिक फैसला लेने की पहल की ।बीते 3 सालों में इस फैसले के परिणाम जमीनी स्तर पर दिखने लगे तथा कश्मीर भारत की मुख्य धारा से पूरी तरह जुड़ चुका है।

50 साल के बाद दोहराया जाएगा इतिहास, खड़गे के रूप में कांग्रेस को मिलेगा दलित अध्यक्ष

नई दिल्ली।(एजेंसी)।

कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए 2 उम्मीदवार मैदान में हैं। एक ओर शशि थरूर हैं तो वहीं दूसरी ओर मल्लिकार्जुन खड़गे हैं। इस रेस में मल्लिकार्जुन खड़गे की दावेदारी मजबूत मानी जा रही है। नामांकन के दौरान भी उनकी मजबूती देखने को मिली, जब पार्टी के कई वरिष्ठ नेता वहां मौजूद रहे। अगर दोनों की ओर से नामांकन वापस नहीं लिया जाता है तो 17 को इसके लिए मतदान होंगे और 19 को नतीजे भी आ जाएंगे। अगर मल्लिकार्जुन खड़गे जैसा कि इस रेस में आगे दिखाई दे रहे हैं, कांग्रेस के अध्यक्ष चुने जाते हैं तो 50 सालों के बाद यह ऐसा पहला मौका आएगा जब कांग्रेस का अध्यक्ष दलित परिवार से आता हो। 1970-71 के दौरान जगजीवन राम कांग्रेस के अध्यक्ष थे। इसके बाद कांग्रेस में कोई भी दलित नेता अध्यक्ष नहीं बना था।

80 वर्षीय मल्लिकार्जुन खड़गे गांधी परिवार के बेहद ही भरोसेमंद माने जाते हैं। वह जमीन से जुड़े राजनेता रहे हैं। 9 बार के विधायक और दो बार के लोकसभा सांसद रहे मल्लिकार्जुन खड़गे अब तक राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष थे। दलित परिवार में जन्मे हट गए 1972 में पहली बार विधायक चुने गए थे। तब से लगातार 2009 तक वह विधायक रहे। दो बार ऐसे मौके आए जब मल्लिकार्जुन खड़गे कर्नाटक में मुख्यमंत्री बन सकते थे। लेकिन उन्होंने आलाकमान के फैसले का समर्थन किया और किसी और के मुख्यमंत्री बनने पर ऐतराज भी नहीं जताया। अपने गृह राज्य कर्नाटक में मल्लिकार्जुन खड़गे'सोलिल्लादा सरदारा' (कभी नहीं हारने वाला नेता) के रूप में मशहूर हैं। खड़गे 50 साल से अधिक समय से राजनीति में सक्रिय हैं।

सियासी सफर की शुरुआत खड़गे ने अपने गृह जिले गुलबर्ग (कलबुर्गी) में एक यूनियन नेता के रूप में किया था। गांधी-नेहरू के विचारों से प्रभावित होकर वह वर्ष 1969 में कांग्रेस में शामिल हुए और गुलबर्ग शहरी कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बने। चुनावी मैदान में खड़गे अजेय रहे और वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने कर्नाटक (खासकर हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र) को अपने चपेट में लेने वाली नरेंद्र मोदी लहर के बावजूद गुलबर्ग से 74 हजार मतों के अंतर से जीत हासिल की। उन्होंने वर्ष 2009 में लोकसभा चुनाव के मैदान में कूदने से पहले गुरुमितकल विधानसभा चुनाव से नौ बार जीत दर्ज की। वह गलुबर्ग से दो बार लोकसभा सदस्य रहे। हालांकि, वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में खड़गे को भाजपा नेता उमेश जाधव के हाथों गुलबर्ग में 95,452 मतों से हार का सामना करना पड़ा।

शांतिरक्षक बलों की वापसी के लिए कांगो के साथ काम करने को तैयार: संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। कांगो में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन की प्रमुख बिनतोऊ कीता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र देश से शांतिरक्षक बलों की वापसी की प्रक्रिया को गति देने के लिए वहां की सरकार के साथ मिलकर काम करने को 'तैयार और इच्छुक' है। कांगो में तैनात संयुक्त राष्ट्र के 14,000 से अधिक सैन्य और पुलिस कर्मी गर्मियों में देश में हुए हिंसक प्रदर्शनों के निशाने पर थे। कीता ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि हाल के महीनों में एम-23 बागी समूह के दोबारा सिर उठाने के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन और पूर्वी कांगो के लोगों को प्रभावित करने वाला 'विश्वास का संकट' और गहरा गया है। उन्होंने कहा कि इसने संयुक्त राष्ट्र के शांति बल को कलंकित करने और मिशन के बारे में दुष्प्रचार फैलाने के लिए 'उपजाऊ जमीन' प्रदान की। कांगो गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र की ओर से चलाए जा रहे शांति मिशन को मोनुस्को के नाम से जाना जाता है। कीता ने कहा, फ्रविश्वास का संकट कांगो में नए सिरे से हिंसक प्रदर्शनों और चिंताजनक घटनाओं का कारण बना है, जिसमें दर्जनों प्रदर्शनकारी और शांति मिशन के चार जवान मारे गए हैं।

बिडेन का कहना है कि दुनिया के इतिहास का एक बड़ा हिस्सा हिंद-प्रशांत में लिखा जाएगा

न्यूयॉर्क । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि उनका देश एक मुक्त, खुले, स्थायी और सुरक्षित हिंद प्रशांत क्षेत्र के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सामरिक रूप से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र में आगामी वर्षों में दुनिया के इतिहास का एक बड़ा हिस्सा लिखा जाएगा। राष्ट्रपति ने वाशिंगटन में बृहस्पतिवार को दर्जनभर प्रशांत द्वीपीय देशों के नेताओं को संबोधित किया। हिंद प्रशांत क्षेत्र को सुरक्षित रखने और इन द्वीपों को चीन के बढ़ते प्रभाव से बचाने पर विमर्श के लिए पहली बार एक शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें बाइडन ने अपने विचार व्यक्त किये। बाइडन ने कहा, 'आज प्रशांत क्षेत्र और प्रशांत महासागर के द्वीपों में रहने वालों की सुरक्षा हमारे लिए पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। अमेरिका और दुनिया की सुरक्षा आपकी सुरक्षा और प्रशांत द्वीपों की सुरक्षा पर निर्भर है।' उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य एक दूसरे के प्रति प्रतिबद्धता को और प्रगाढ़ करना तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए एक साझा भविष्य का निर्माण करना है। इस सम्मेलन में फिजी, सोलोमन आइलैंड, माइक्रोनेशिया, पापुआ न्यू गिनी, तुवालू, मार्शल आइलैंड, पलाउ, समोआ, टोंगा, पॉलिनेशिया, न्यू कैलेडोनिया और कुक आइलैंड्स के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हुए। बाइडन ने कहा, 'हम अमेरिका समेत दुनियाभर में जलवायु परिवर्तन के परिणाम देख रहे हैं। आपके देश भी इसका अनुभव कर रहे हैं। आप सबके लिए यह अस्तित्व का संकट है।' उन्होंने कहा, 'कोविड-19 और रूस के युद्ध के आलोक में हम वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी फिर से खड़ा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि मुक्त, खुले, स्थायी, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत को सुनिश्चित किया जा सके।' बाइडन ने प्रशांत के द्वीपीय क्षेत्र में रहने वालों के जीवन को सुधारने के लिए विस्तारित अमेरिका कार्यक्रम के तहत 81 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सहायता देने का ऐलान किया। बाइडन ने कहा, ''मुझे यह घोषणा करते समय गर्व की अनुभूति हो रही है कि हम कुक द्वीप और नियू द्वीप को संप्रभु राज्य के रूप में मान्यता देंगे।

बाल्टिक सागर में मीथेन विस्फोट वैश्विक समस्या पर प्रकाश डालता है

बाल्टिक सागर के तल पर टूटी हुई पाइपलाइनों से मीथेन के रिसाव ने पर्यावरणविदों को गंभीर चिंता में डाल दिया है। दुनियाभर में समय-समय पर बड़े पैमाने पर मीथेन रिसाव की खतरनाक घटनाएं सामने आती रहती हैं। जलवायु पर अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों ने पाया है कि कुछ प्रमुख फर्मों के इन दावों के बावजूद कि उन्होंने उत्सर्जन के स्तर में कटौती की है, तेल और गैस उद्योग से होने वाले मीथेन उत्सर्जन का स्तर कंपनियों द्वारा पेश किए गए आंकड़ों से कहीं अधिक है। यह इसलिए मायने रखता है, क्योंकि प्राकृतिक गैस (घरों में बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने और उन्हें गर्म रखने के लिए इस्तेमाल किया जाना वाला एक प्रमुख जीवाश्म ईंधन) मीथेन से बनी होती है, जो ग्लोबल वॉर्मिंग के लिए बड़े पैमाने पर जिम्मेदार गैस है। फ्रांस स्थित रिम्स विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक थॉमस लॉवॉक्स ने कहा कि अंतरिक्ष में उपग्रहों से मीथेन उत्सर्जन का स्तर मापने वाले वैज्ञानिकों ने पाया है कि तेल और गैस उद्योगों से मीथेन उत्सर्जन आमतौर पर कंपनियों द्वारा बताए गए स्तर से कम से कम दोगुना ज्यादा होता है। उन्होंने कहा कि पर्मियन खाड़ी, जो अमेरिका का सबसे बड़ा तेल और गैस क्षेत्र है, वहां मीथेन उत्सर्जन कंपनियों द्वारा बताए गए स्तर की तुलना में दो से तीन गुना अधिक था। लॉवॉक्स ने कहा, फ्रहर कोई दावा करता है कि उन्होंने उत्सर्जन में कटौती की है, लेकिन यह सच नहीं है।

भारत और नेपाल अपने-अपने क्षेत्रों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सहमत हैं

भारत और नेपाल ''राष्ट्र-विरोधियों'' द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सहमत हुए हैं। दोनों देशों के अर्धसैनिक अधिकारियों ने भारत-नेपाल सीमा के जरिये तीसरे देश के नागरिकों के अवैध रूप से सीमा पार करने की घटनाओं को रोकने के वास्ते उपायों पर चर्चा की है। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के महानिदेशक सुजय लाल थाओसेन और नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के महानिरीक्षक राजू आर्य के बीच बृहस्पतिवार को यहां संयुक्त समन्वय बैठक हुई। बैठक में सीमा पार अपराधों को रोकने के लिए तंत्र को सुव्यवस्थित करने के उपायों पर चर्चा की गई। एसएसबी ने एक बयान में कहा कि दोनों बलों के प्रमुख अवैध रूप से सीमा पार करने से तीसरे राष्ट्र के नागरिकों को रोकने के वास्ते तंत्र विकसित करने पर सहमत हुए। बयान में कहा गया है कि तीन दिवसीय बैठक के दौरान यह भी निर्णय लिया गया कि सीमा बल वर्तमान चुनौतियों को देखते हुए इस्तेमाल किए जाने वाले तरीकों में सुधार करना जारी रखेंगे। इसमें कहा गया है, ''वे राष्ट्र-विरोधियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों के दुरुपयोग को रोकने के लिए पारस्परिक रूप से सहमत हुए।'' बयान में कहा गया है, ''यह भी निर्णय लिया गया कि सीमा बल वर्तमान चुनौतियों के मद्देनजर उपयोग किए जाने वाले तरीकों में सुधार करना जारी रखेंगे। वे राष्ट्र-विरोधियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों के दुरुपयोग को रोकने के लिए पारस्परिक रूप से सहमत हुए।''

अफगान नेताओं के धमकी भरे बयानों से प्रभावित हो सकते हैं द्विपक्षीय संबंध: पाकिस्तान

इस्लामाबाद । पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार के एक उप विदेश मंत्री की टिप्पणी को मैत्रीपूर्ण संबंधों के खिलाफ करार दिया है। यही नहीं, पाक ने अंतर्राष्ट्रीय अपेक्षाओं और चिंताओं को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए अंतरिम अधिकारियों की जरूरत पर जोर दिया। तालिबान के उप विदेश मंत्री शेर अब्बास स्टानिकजई के बयान के संबंध में एक सवाल के जवाब में साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में पाकिस्तान के विदेश कार्यालय (एफओ) के प्रवक्ता असीम इफ्तिखार ने विचार व्यक्त किए। तालिबान की ओर से स्टानिकजई ने 27 सितंबर को दावा किया कि इस्लामाबाद वाशिंगटन से लाखों डॉलर प्राप्त कर रहा है, ताकि अमेरिकी ड्रोन अफगानिस्तान पर उड़ानें संचालित कर सके। उन्होंने कहा हम इसे कब तक बर्दाश्त कर सकते हैं? अगर हम इसके खिलाफ उठ खड़े हुए तो हमें कोई नहीं रोक पाएगा। पाकिस्तानी मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा अफगानिस्तान शांति को सुगम बनाने में पाकिस्तान की भूमिका, और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के हमारे प्रयासों को अच्छी तरह से जानता है, और उन्हें व्यापक रूप से स्वीकार करता है। उन्होंने कहा सकारात्मक जुड़ाव की सफलता के लिए यह महत्वपूर्ण है कि अंतरिम अफगान अधिकारी अंतरराष्ट्रीय अपेक्षाओं और चिंताओं को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। प्रवक्ता ने कहा अपनी ओर से पाकिस्तान दोनों देशों और व्यापक क्षेत्र की शांति, समृद्धि और प्रगति के लिए अफगानिस्तान के साथ सकारात्मक जुड़ाव जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि हम ऐसे बयानों को अपने दो भाई देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों की भावना के खिलाफ मानते हैं।

इयान तूफान ने फ्लोरिडा में 17 लोगों की जान लेने के बाद साउथ कैरोलिना में बरपाया कहर

चार्ल्सटन । फ्लोरिडा में 17 लोगों की मौत के बाद इयान तूफान ने दक्षिण कैरोलिना में एक बार फिर कहर बरपाया है. तूफान की वजह से सड़कों पर पानी भर गया है, पेड़ उखड़ कर गिर गए हैं तथा अनेक मकानों की छतें उड़ गईं हैं। इससे पहले 'इयान' की वजह से फ्लोरिडा में हजारों मकानों की बिजली गुल हो गई तथा 17 लोगों की जान चली गई। फ्लोरिडा के प्रवर्तन निदेशालय ने बताया कि जान गंवाने वालों में 22 साल की एक युवती भी शामिल है, जो सड़क पर तेज बहाव में बहकर गहरे गड्ढे में गिर गई थी।

थाईलैंड के पुखेत में वार्षिक शाकाहारी उत्सव के दौरान अपने मुंह और बाहों में छेद करने वाले एक व्यक्ति ने बैंग नियो श्राइन जुलूस में भाग लिया. चीनी कैलेंडर के नौवें चंद्र माह में थाई-चीनी समुदाय के ताओवादी भक्त इसे धूमधाम से मनाते हैं।

भारत में बैन हुए पाकिस्तानी सरकार के ट्विटर खाते, शहबाज शरीफ, बिलावल सहित तमाम नेताओं की नहीं दिखेंगी प्रोफाइल

नई दिल्ली। पिछले काफी समय से ट्विटर और भारत सरकार के बीच कानूनी लड़ाई चल रही हैं जिसमें भारत सरकार ने ट्विटर को कुछ डाटा हटाने के लिए कहा था लेकिन ट्विटर भारत सरकार के खिलाफ कोर्ट पहुंच गया था। अब भारत सरकार ने भारत में पाकिस्तान सरकार के सभी तरह के ट्विटर अकाउंट को बैन कर दिया है। यानी की भारत में रहने वाला कोई भी व्यक्ति पाकिस्तान की सरकार का ट्विटर अकाउंट नहीं देख सकेगा। वह क्या पोस्ट करते हैं कैसी सोशल मीडिया प्रोफाइल होगी। इस तरह की कोई चीज भारत में नहीं देखी जा सकेगी। भारत में शनिवार को पाकिस्तान सरकार का ट्विटर अकाउंट बंद कर दिया गया। भारत में पाकिस्तान सरकार का आधिकारिक ट्विटर अकाउंट बंद कर दिया गया है। आधिकारिक हैंडल के ट्विटर पेज पर लिखा था कि कानूनी मांग के जवाब में भारत में अकाउंट को रोक दिया गया है। ट्विटर से प्रतिक्रिया का इंतजार है। ट्विटर से प्रतिक्रिया का इंतजार है। फिलहाल अभी तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी हैं। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ इस तरह का यह पहला हमला नहीं है। खाते को पहले भी बैन कर दिया गया था लेकिन बाद फिर इसे एक्टिवेट कर दिया था। एएनआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई में जब भारत ने कई पाकिस्तानी हैंडल पर प्रतिबंध लगा दिया था, तब खाते को रोक दिया गया था, लेकिन बाद में इसे फिर से सक्रिय कर दिया गया था।

पुतिन ने अपने औपचारिक भाषण में पश्चिम देशों को सुनाई खरी-खरी

मॉस्को (एजेंसी)।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दुनिया को पश्चिम की औपनिवेशिक नीति, भारत और अफ्रीका में लूटपाट, दास व्यापार और अमेरिका द्वारा परमाणु एवं रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल के बारे में याद दिलाया। उन्होंने इसके साथ ही पश्चिमी देशों की नियम आधारित वैश्विक व्यवस्था पर जोर को ''अव्वल दर्जे का धोखा'' करार देकर उनके ''दोहरे मानक की निंदा की है। पुतिन ने यह टिप्पणी क्रेमलिन के नजदीक सेंट जॉर्ज हॉल में अपने औपचारिक भाषण में की। उन्होंने भाषण यूक्रेन के बागी चार क्षेत्रों लुहांस्क, दोनेत्स्क, खोरसोन और जापोरिज्ज्या में कथित जनमत संग्रह के कई दिनों बाद दिया है जिसे यूक्रेन और पश्चिमी देश खारिज कर चुके हैं।

पुतिन ने कहा, हम सब सुन रहे हैं कि पश्चिम नियम आधारित व्यवस्था पर जोर दे रहा है। हालांकि, यह कहां से आता है? किसी ने इन नियमों को कभी देखा है? किसने इनपर सहमति जाहिर की है, या मंजूरी दी है? सुनो, यह पूरी तरह से बकवास, धोखेबाजी और दोहरा मानक है, यहां तक कि तिहरा मानक है।

वे समझते हैं कि हम बेवकूफ हैं। पुतिन ने कहा रूस और उसकी सभ्यता हजार साल से महान शक्ति है और यह अस्थायी, झूठे नियमों से नहीं बदलेगी।

पुतिन ने कहा कि पश्चिमी कुलीन यहां तक सभी के प्रति अपने ऐतिहासिक अपराध के प्रति ग्लानि को लेकर रुख बदल रहे हैं और उन देशों और अन्य लोगों से मांग कर रहे हैं कि वे गलती स्वीकार करें जिससे उनका कोई लेना देना ही नहीं है, उदाहरण के लिए औपनिवेशिक काल में किए गए हमले। उन्होंने कहा, ''पश्चिम को याद दिलाना सार्थक है कि उसने मध्यकाल में औपनिवेशिक नीति की शुरुआत की, जिसके बाद दास कारोबार किया, अमेरिका के मूल निवासियों (रेड इंडियन) का जनसंहार किया, भारत और अफ्रीका में लूट-पाट की...यह मानवीय प्रकृति, सच्चाई, स्वतंत्रता और न्याय के विपरित है।''

पुतिन ने कहा कि यह पश्चिम है, जिसने 'सीमा की पवित्रता' के सिद्धांत को 'कुचला' और अब अपने लाभ के लिए तय कर रहा है कि किसे स्वयं का निर्णय लेने का अधिकार है और किसे नहीं है, कौन इसके योग्य नहीं है। पुतिन ने कहा, यह स्पष्ट नहीं है कि उनका फैसला किस पर आधारित है या किसने उन्हें सबसे पहले यह तय करने का अधिकार दिया है। वे बस मानकर चलते हैं। गौरतलब है कि रूसी राष्ट्रपति द्वारा लुहांस्क, दोनेत्स्क, खोरसोन और जापोरीज्ज्या में शामिल करने की संधि पर हस्ताक्षर करने के कुछ घंटे के बाद ही 15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने शुक्रवार को '' यूक्रेन में कथित गैर कानूनी जनमत संग्रह' पर तैयार मसौदा प्रस्ताव पर मतदान किया। हालांकि, इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जा सका क्योंकि रूस सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है और रुस ने वीटो कर दिया।

यूक्रेन युद्ध के नतीजों के प्रभाव को कम करने के वास्ते मिलकर काम कर रहे भारत और फ्रांस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

फ्रांसीसी राजदूत इमैनुएल लेनैन ने कहा है कि यूक्रेन में रूसी युद्ध बिना उकसावे के ''खुलेआम हमला'' है। उन्होंने कहा कि फ्रांस और भारत खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा पर युद्ध के नतीजों के प्रभाव को कम करने के तरीकों पर काम कर रहे हैं। राजदूत ने एक साक्षात्कार में कहा कि फ्रांस ने रूस द्वारा यूक्रेन के चार क्षेत्रों के अवैध कब्जे की कड़ी निंदा की है और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून और यूक्रेन की संप्रभुता दोनों का गंभीर उल्लंघन बताया है। संघर्ष को समाप्त करने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हाल के आह्वान का स्वागत करते हुए, राजदूत ने कहा कि भारत और फ्रांस दोनों के नेता मास्को को बातचीत की मेज पर लौटने के वास्ते राजी करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हमें लगता है कि पुतिन साम्राज्यवाद के समय में लौटना चाहते हैं और हम यूरोप में, कहीं और भी इससे बचना चाहते हैं, खासकर इस क्षेत्र में जहां मैं बात कर रहा हूं।'' लेनैन ने कहा, ''हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भी, हम यह नहीं चाहते हैं और मुझे यकीन है कि भारत नहीं चाहता कि कोई भी पड़ोसी आक्रामकता से सीमाओं पर अतिक्रमण करे।'' रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के हिस्सों को रूस में ''अवैध तरीके से शामिल करने'' संबंधी संधियों पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए थे, जिसके बाद सात महीने से जारी युद्ध में तनाव और बढ़ गया। पुतिन के इस नवीनतम कदम पर यूरोपीय संघ ने तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए संयुक्त बयान जारी कर चार क्षेत्रों-डोनेत्स्क,लुहांस्क, खेरसन और जापोरिज्जिया- के 'अवैध विलय' को खारिज करते हुए उसकी निंदा की थी। राजदूत ने कहा कि फ्रांस भारत के निर्णय की स्वायत्तता का बहुत सम्मान करता है और पिछले महीने समरकंद के उज़्बेक शहर में पुतिन के साथ एक बैठक के दौरान मोदी की उस टिप्पणी की सराहना करता है कि आज का युग युद्ध का नहीं है।''

पाकिस्तान: न्यायमूर्ति जेबा चौधरी से क्षमायाचना के लिए इमरान अदालत के समक्ष पेश

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान शुक्रवार को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जेबा चौधरी से व्यक्तिगत रूप से माफी मांगने के लिए यहां एक सत्र अदालत के समक्ष पेश हुए। खान ने एक सार्वजनिक रैली के दौरान महिला न्यायाधीश को कथित तौर पर धमकी दी थी। इस्लामाबाद में गत 20 अगस्त को एक रैली के दौरान, खान ने अपने सहयोगी शहबाज गिल के साथ हुए व्यवहार को लेकर शीर्ष पुलिस अधिकारियों, चुनाव आयोग और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की धमकी दी थी। गिल को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने न्यायाधीश चौधरी पर भी निशाना साधा था, जिन्होंने कैपिटल टेरिटरी पुलिस के अनुरोध पर गिल की दो दिन की हिरासत को मंजूरी दी थी। खान ने कहा था कि वह (न्यायाधीश को) ''तैयार रहें क्योंकि उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।'' भाषण के कुछ घंटों बाद, 69 वर्षीय खान पर उनकी रैली में पुलिस, न्यायपालिका और अन्य सरकारी संस्थानों को धमकी देने के लिए आतंकवाद-निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। उनकी टिप्पणी ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) को भी उनके खिलाफ अवमानना का मामला शुरू करने के लिए प्रेरित किया। खान ने कहा था कि उनका इरादा न्यायाधीश को धमकी देना नहीं था और वह उनसे (चौधरी से) व्यक्तिगत रूप से मिलने और माफी मांगने के लिए तैयार हैं।

जंग, परमाणु आपदा और खाद्य पदार्थों के संकट के बीच आया नोबेल पुरस्कारों का दौर

वाशिंगटन (एजेंसी)।

यूक्रेन पर रूस के हमले से यूरोप में दशकों तक रही लगभग निर्बाध शांति की स्थिति के बिगड़ने और परमाणु आपदा का खतरा पैदा होने के बीच इस साल के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा का समय आ गया है। नोबेल पुरस्कार की चयन समिति कभी इस तरफ इशारा नहीं करती कि चिकित्सा, भौतिकी, रसायन, साहित्य, अर्थशास्त्र और शांति के क्षेत्र में किसे यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। लोग केवल अनुमान लगाते हैं। सोमवार से पुरस्कारों की घोषणा शुरू हो सकती है। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार पर लोगों का ध्यान जाने के यूं तो अनेक कारण हैं, लेकिन इस बार यूक्रेन और इथियोपिया में युद्ध, ऊर्जा और खाद्य पदार्थों की आपूर्ति में व्यवधान, बढ़ती असमानता, जलवायु संकट और कोविड-19 महामारी की

वजह से जारी समस्याएं प्रमुख हैं। यूरोपीय संसद के सदस्यों ने इस साल नोबेल शांति पुरस्कार समिति द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और यूक्रेन की जनता के लिए इस पुरस्कार की सिफारिश किये जाने की वकालत की। रूस के हमले के खिलाफ उनके प्रतिरोध के लिए ऐसा किया जा रहा है। स्टाकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के निदेशक डैन स्मिथ ने कहा कि इस तरह की आकांक्षाओं को समझा जा सकता है लेकिन इसकी संभावना कम नजर आती है क्योंकि नोबेल समिति का ऐसे लोगों को सम्मानित करने का इतिहास रहा है जो संघर्षों को समाप्त करते हैं, न कि युद्धकालीन नेताओं को सम्मानित करने का। स्मिथ मानते हैं कि नोबेल शांति पुरस्कार के दावेदारों में जलवायु परिवर्तन से लड़ने वाला कोई व्यक्ति या समूह या अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) हो सकती है। स्मिथ ने कहा कि आईएईए को सम्मानित करना एक बार फिर यूक्रेन में रूस के कब्जे वाले जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र में किसी रेडियोधर्मी विकिरण की आपदा को रोकने के प्रयासों और परमाणु प्रसार से लड़ने में उसके काम को रेखांकित करेगा। उन्होंने कहा, ''वैश्विक इतिहास में यह वाकई मुश्किल समय है और शांति की अच्छी स्थिति नहीं बन रही।'' नोबेल शांति पुरस्कार के लिए हमेशा शांति को बढ़ावा देने के कार्यों को ही नहीं चुना जाता। बीसवीं सदी में अहिंसा के प्रतीक रहे महात्मा गांधी को कभी यह सम्मान नहीं मिला।

रूस के 'अवैध जनमत संग्रह' पर संयुक्त राष्ट्र में लाए प्रस्ताव पर भारत ने बनायी दूरी

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में अमेरिका एवं अल्बानिया द्वारा पेश किए गए उस मसौदा प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहा, जिसमें रूस के ''अवैध जनमत संग्रह'' और यूक्रेनी क्षेत्रों पर उसके कब्जे की निंदा की गई है। इस प्रस्ताव में मांग की गई थी कि रूस यूक्रेन से अपने बलों को तत्काल वापस बुलाए। परिषद के 15 देशों को इस प्रस्ताव पर मतदान करना था, लेकिन रूस ने इसके खिलाफ वीटो का इस्तेमाल किया, जिसके कारण प्रस्ताव पारित नहीं हो सका। इस प्रस्ताव के समर्थन में 10 देशों ने मतदान किया और चार देश चीन, गाबोन, भारत तथा ब्राजील मतदान में शामिल नहीं हुए।

इससे पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के दोनेत्स्क, लुहांस्क, खेरसॉन और जोपोरिज्जिया क्षेत्रों पर कब्जा जमाने की शुक्रवार को घोषणा की थी। मतदान के बाद परिषद को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि यूक्रेन में हाल के घटनाक्रम से भारत बहुत चिंतित है और उसने हमेशा इस बात की वकालत की है कि मानव जीवन की कीमत पर कोई समाधान नहीं निकाला जा सकता। उन्होंने मतदान से दूर रहने पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा, ''हम अनुरोध करते हैं कि संबंधित पक्ष तत्काल हिंसा और शत्रुता को खत्म करने के लिए हरसंभव प्रयास करें। मतभेदों तथा विवादों को हल करने का इकलौता जवाब संवाद है, हालांकि इस समय यह कठिन लग सकता है।'' भारत ने कहा, ''शांति के मार्ग पर हमें कूटनीति के सभी माध्यम खुले रखने की आवश्यकता है।'' कंबोज ने कहा कि इस संघर्ष की शुरुआत से ही भारत का रुख स्पष्ट रहा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यवस्था संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों, अंतरराष्ट्रीय कानून और सभी देशों की संप्रभुत्ता एवं क्षेत्रीय अखंडता के लिए सम्मान पर टिकी हैं। उन्होंने कहा, ''तनाव बढ़ाना किसी के भी हित में नहीं है। यह महत्वपूर्ण है कि बातचीत की मेज पर लौटने के रास्ते तलाशे जाएं। तेजी से बदल रही स्थिति पर नजर रखते हुए भारत ने इस प्रस्ताव पर दूरी बनाने का फैसला किया है।'' वहीं, संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने मतदान से पहले कहा कि रूस के ''बनावटी जनमत संग्रह के नतीजे पूर्व निर्धारित थे।'' उन्होंने कहा, ''हर कोई यह जानता है। रूसी बंदूक की नोंक पर यह कराया गया। बार-बार हमने यूक्रेनी लोगों को अपने देश तथा लोकतंत्र के लिए लड़ते हुए देखा है।'' ग्रीनफील्ड ने कहा कि अगर रूस अपनी जवाबदेही से बचने की कोशिश करता है तो हम मॉस्को को यह अचूक संदेश भेजने के लिए ''महासभा में आगे कदम उठाएंगे'' कि दुनिया अब भी संप्रभुत्ता एवं क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के पक्ष में खड़ी है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल बोले- कर्ज की अदला-बदली पर चीन से न तो अनुरोध किया और न ही बातचीत की

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि सरकार ने देश में बाढ़ से हुई भारी तबाही के बावजूद ऋण के पुनर्गठन और अदला-बदली को लेकर न तो चीन से कोई अनुरोध किया है और न ही कोई बातचीत की है। समाचार पत्रिका 'फॉरेन पॉलिसी' को दिए एक साक्षात्कार के दौरान बिलावल ने कहा कि अगर पाकिस्तान को चीन से संपर्क करना है, तो वह अपनी शर्तों पर करेगा। उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा, ''यदि चीन के साथ हमारी बातचीत होती है, तो वह पाकिस्तान और चीन के बीच ही होनी चाहिए, किसी और को हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''चीन के साथ संपर्क बने रहना चाहिए। जब भी हमारी यह बातचीत होगी, यह हमारे और चीन के बीच होगी।'' गौरतलब है कि अमेरिका ने हाल में पाकिस्तान से चीन से कर्ज माफी के लिए अनुरोध करने को कहा था। पाकिस्तान में आई विनाशकारी बाढ़ के कारण जून के मध्य से अब तक 1,666 लोगों की मौत हो चुकी है। चीन-पाकिस्तान संबंधों पर, उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद ने बीजिंग की ओर उस वक्त दोस्ती का हाथ बढ़ाया था, जब किसी और ने ऐसा नहीं किया था। उन्होंने कहा, अब, हर कोई चीन के साथ दोस्ती करना चाहता है।'' बिलावल ने कहा कि पाकिस्तान चीन और अमेरिका के बीच एक सेतु की भूमिका निभाना चाहेगा। उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान ने पहले भी चीन और अमेरिका के बीच एक सेतु की भूमिका निभाई थी, जिसके परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध बने।''

संपादकीय

गहलोत और कांग्रेस के कई असंतुष्ट नेता भी उम्मीदवारी का फार्म भरनेवाले खड़गे के साथ-साथ पहुंच गए। याने समस्त संतुष्ट और असंतुष्ट नेताओं ने अपनी स्वामिभक्ति प्रदर्शित करने में कोई संकोच नहीं किया।

कांग्रेस : फिर चक्का जाम

(लेखक - डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

मल्लिकार्जुन खड़गे अब कांग्रेस के अध्यक्ष बनेंगे, यह तो तय ही है। यदि अशोक गहलोत बन जाते तो कुछ कहा नहीं जा सकता था कि कांग्रेस का क्या होता? गहलोत को राजस्थान के कांग्रेसी विधायकों के प्रचंड समर्थन ने महानायक का रूप दे दिया था लेकिन गहलोत भी गजब के चतुर नेता हैं, जिन्होंने दिल्ली आकर सोनिया गांधी का गुस्सा ठंडा कर दिया। उन्हें अध्यक्ष की खाई में कूदने से तो मुक्ति मिली ही, उनका मुख्यमंत्री पद अभी तक तो बरकरार ही लग रहा है। अध्यक्ष बनने के बाद खड़गे की भी हिम्मत नहीं पड़ेगी कि वे गहलोत पर हाथ डालें। गहलोत और कांग्रेस के कई असंतुष्ट नेता भी उम्मीदवारी का फार्म भरनेवाले खड़गे के साथ-साथ पहुंच गए। याने समस्त संतुष्ट और असंतुष्ट नेताओं ने अपनी स्वामिभक्ति प्रदर्शित करने में कोई संकोच नहीं किया। यह ठीक है कि शशि थरुर और त्रिपाठी ने भी अध्यक्ष के चुनाव का फार्म भरा है लेकिन सबको पता है कि इनकी हालत वही होगी जो, 2000 में जितेंद्रप्रसाद की हुई थी। उन्होंने सोनिया गांधी के विरुद्ध कांग्रेस-अध्यक्ष का चुनाव लड़ा था। चुनाव के दिन दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में वे मेरे साथ लंच कर रहे थे। उन्होंने मुझसे कहा कि मेरा हारना तो तय है तो कुछ समय आपके साथ ही आनंदपूर्वक क्यों नहीं बिताया जाए? यही हाल शशि थरुर का भी होनेवाला है। हालांकि उन्होंने पहले दिग्विजयसिंह, अशोक गहलोत और अब खड़गे के बारे में बहुत ही गरिमामय ढंग से बात की है। 22 साल बाद होनेवाले इस चुनाव से क्या कांग्रेस के हालात कुछ बदलेंगे? क्या यह डूबता हुआ सूरज फिर ऊपर उठ पाएगा? यह जाम हुआ चक्का क्या फिर चल पाएगा? कुछ भी कहना कठिन है, क्योंकि कांग्रेस पार्टी पर माँ-बेटा राज तो अब भी पहले की तरह जोर से चलता रहेगा। हालांकि खड़गे अनुभवी और सुसंयत नेता हैं और उन्हें कर्नाटक की विधानसभा, लोकसभा और राज्यसभा में रहने के अनेक अवसर मिले हैं लेकिन कर्नाटक के बाहर उन्हें कौन जानता है? आम जनता की बात तो अलग है, कांग्रेसी कार्यकर्त्ता भी उन्हें ठीक से नहीं जानते। यह ठीक है कि जगजीवन राम के बाद वे ही पहले दलित हैं, जो कांग्रेस अध्यक्ष बनेंगे। लेकिन नरेंद्र मोदी ने पहले रामनाथ कोविंद और अब द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर पहले ही नहले पर दहला मार रखा है। कांग्रेस का भाग्योदय अगर होता है तो वह नौकर-चाकरों के भरोसे नहीं हो सकता। उसके मालिकों को गर्व होना चाहिए कि उन्हें ऐसी बगावत नहीं देखनी पड़ रही है, जैसी इंदिरा गांधी ने देखी थी। मालिकों के इस दावे पर कौन भरोसा कर रहा है कि वे अध्यक्ष के इस चुनाव में निष्पक्ष हैं? माँ-बेटे को खुशी होनी चाहिए कि जिन वरिष्ठ नेताओं ने बगावत की बांग लगाई थी, वे भी उनके आगे अब दुम हिला रहे हैं। इस अध्यक्षीय चुनाव से कांग्रेस के पुनरोदय की जो आशा बनी थी, वह धूमिल हो चुकी है। जब तक कांग्रेस के पास नरेंद्र मोदी का वैकल्पिक नेता और नीति नहीं होगी, वह इसी तरह लड़खड़ाती रहेगी और भारतीय लोकतंत्र और कांग्रेस का यह दुर्भाग्य होगा कि वह लड़खड़ाते-लड़खड़ाते कहीं धराशायी ही न हो जाए।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

ग्राहक, 'चूहे मारने की दवाई हैं?'

दुकानदार, 'जी हां। यह लीजिए।'

ग्राहक, 'चूहे मारने का पाप तुम्हें लगेगा या मुझे।'

दुकानदार, 'किसी को भी नहीं।'

ग्राहक, 'वो कैसे?'

दुकानदार, 'चूहे मरेंगे तब न।'

□ □ □

बेटा, 'पिता जी, रात को मुझे सपना आया कि मेरे पांव में कांटा चुभ गया।'

पिता, 'तो बेवकूफ तुम जूते पहन कर क्यों नहीं सोते। इससे बचाव रहेगा।'

□ □ □

बिट्टू, 'मुझे ठीक से सुनाई नहीं देता था। कुछ दिन पहले मैंने कानों का ऑँपरेशन करवा लिया। अब साफ सुनाई देता हैं।'

बंटी कालिया, 'ऑँपरेशन पर कितना खर्च आया?' इस पर बिट्टू ने तुरंत घड़ी देखी और बोला, 'पूरे चार बज गए हैं।'

□ □ □

डॉँक्टर (सानिया से)'तुम पहले अच्छी खबर सुनना चाहती हो या बुरी?'

सानिया 'अच्छी वाली ही बता दो डॉँक्टर साहब।'

डॉँक्टर 'तुम्हारे दांत बिल्कुल ठीक है।'

सानिया 'तो बुरी खबर क्या है?'

डॉँक्टर 'तुम्हारे मसूड़े इतने खराब है कि तुम्हारे सारे दांत निकालने पड़ेगें?'

क्या वाकई मोहनदास करमचंद गांधी जिंदा है !

लेखक- डा0श्रीगोपाल नारसन

हम अपने जोखिम पर ही उन्हें नजरअंदाज कर सकते हैं। बौद्ध धर्म के तिब्बती गुरु दलाई लामा के शब्दों में, 'गांधी जी एक ऐसे महान व्यक्ति थे, जिन्हें मानवता की समझ थी। उनकी जिंदगी ने मुझे बचपन से ही प्रेरित किया है।' पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराकओबामा कहते है कि अपनी जिंदगी में प्रेरणा के लिए मैं हमेशा गांधी की तरफ देखता हूं क्योंकि वह बताते हैं कि खुद में बदलाव कर साधारण व्यक्ति भी असाधारण काम कर सकता है। इसी तरह रबिंद्रनाथ टैगोर का कहना था कि महात्मा गांधी लाखों बेसहारा लोगों के दरवाजे पर पहुंच जाते हैं, उनसे उन्हीं की भाषा में बात करते हैं।

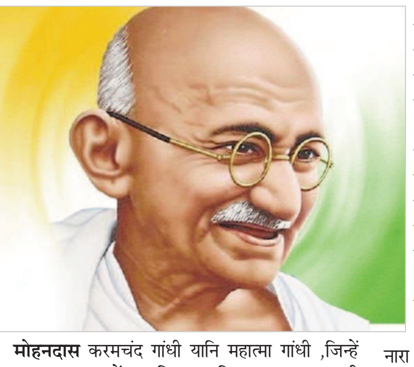

मोहनदास करमचंद गांधी यानि महात्मा गांधी ,जिन्हें हम सम्मान रूप में राष्ट्रपिता या फिर बापू कहकर भी पुकारते है,की जयंती पर एक प्रश्न बार बार मन मे उठ रहा है कि क्या वास्तव में महात्मा गांधी आज भी जिंदा है? जिंदा न होते तो हर वर्ष याद क्यों किए जाते?दरअसल गांधी बनना जितना कठिन है,गोडसे बनना उतना ही आसान। गांधी बनने में सदियों बीत जाती है ,लेकिन गोडसे क्षण भर में बना जा सकता है।लेकिन जितनी देर गांधी बनने में लगेगी उतनी से ज्यादा देर तक गांधी जिंदा रहेगा,जबकि गोडसे जिसका जन्म ही क्षणभर में हुआ उसे उतनी ही जल्दी मरना भी पड़ेगा।यही अकाट्य सत्य है।गांधी के बारे में अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कि आने वाली पीढ़ियों को इस बात पर विश्वास करना मुश्किल होगा कि गांधी जैसा कोई व्यक्ति इस धरती पर चला करता था। डॉक्टर मार्टिन लूथर किंग जूनियर का भी मानना था कि अगर मानवता को आगे बढ़ाना है तो गांधी बहुत ही जरूरी हैं। दुनिया में शांति और सद्भाव के लिए ही वह जीते, सोचते और काम करते हैं। हम अपने जोखिम पर ही उन्हें नजरअंदाज कर सकते हैं। बौद्ध धर्म के तिब्बती गुरु दलाई लामा के शब्दों में, 'गांधी जी एक ऐसे महान व्यक्ति थे, जिन्हें मानवता की समझ थी। उनकी जिंदगी ने मुझे बचपन से ही प्रेरित किया है।' पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराकओबामा कहते है कि अपनी जिंदगी में प्रेरणा के लिए मैं हमेशा गांधी की तरफ देखता हूं क्योंकि वह बताते हैं कि खुद में बदलाव कर साधारण व्यक्ति भी असाधारण काम कर सकता है। इसी तरह रबिंद्रनाथ टैगोर का कहना था कि महात्मा गांधी लाखों बेसहारा लोगों के दरवाजे पर पहुंच जाते हैं, उनसे उन्हीं की भाषा में बात करते हैं। आखिर और कौन है, जो इतनी सहजता से इस बड़े वर्ग को अपना रहा है। जवाहर लाल नेहरू की सोच थी कि इस देश में जो लौ महात्मा गांधी के रूप में रोशन हुई, वह साधारण नहीं थी। यह लौ आने वाले हजारों सालों तक भी राह दिखाती रहेगी। लॉर्ड माउंटबेटन कहा करते थे कि इतिहास में महात्मा गांधी को गौतम बुद्ध और ईसा मसीह के बराबर देखा जाएगा।वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों में,''2 अक्तूबर को पोरबंदर में एक व्यक्ति ने जन्म नहीं लिया था बल्कि एक युग की शुरुआत हुई थी। मुझे इस बात पर पूरा विश्वास है कि वह आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने अपने समय में थे।' कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के शब्दों में ,'महात्मा गांधी ने दुनिया को अहिंसा,सत्यता,राष्ट्रभक्ति की राह दिखाई,सचमुच वे एक महान आत्मा थे।' सच यही है कि महात्मा गांधी को कुछ लोग विचारो के रूप मानते है तो कुछ लोग नोटो पर गांधी जी का चित्र छपा होने के कारण उन्हे सीने से लगाकर रखते है। यानि हर किसी को किसी न किसी रूप में गांधी हमेशा याद रहते है। आजादी के आंदोलन में महात्मा गांधी की गिनती नरम नेता के रूप में होती थी।लेकिन उक्त आन्दोलन के गरम दल के नेता भी उनका उतना ही सम्मान करते थे जितना नरम दल के लोग उनका आदर भाव करते थे। गरम दल के नेता के रूप में चर्चित रहे नेताजी सुभाष चन्द्र बोश भी उन्हे अपना नेता मानते थे। यही गांधी जी की अहिंसा की सबसे बडी कामयाबी थी। बैरिस्टर सम्मानजनक व्यवसाय को छोडकर देश के लिए वे आजादी के आन्दोलन में कूद पडे थे। उनका एक ही नारा था कि जैसे भी हो हम हथियार नही उठायेगे और बिना हथियार ही भारत मां को आजादी दिलायेगें। इसके लिए उन्होने स्वयं भी अंग्रेजो की लाठिया खायी और उन्हे बहुत सी यातना भी सहन करनी पडी। लेकिन देश की खातिर उन्होने कभी उफ तक नही की। अहिंसा के पुजारी कहे व माने जाने वाले मोहन दास कर्मचन्द गांधी जिन्हे सम्मान से बापू या फिर महात्मा गांधी कहकर पुकारा गया,का दुनियाभर में आज भी नाम है और हमेशा रहेगा। देदी हमें आजादी बिना खडग बिना ढाल साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमाल पंक्तिया चरितार्थ कर दिखाने वाले बापू के प्रति दुनियाभर के लोगों ने भरपूर सम्मान प्रकट किया। महात्मा गांधी विश्व के ऐसे महान व्यक्ति थे जो धोर तपष्चर्या का जीवन व्यतीत करते थे। करोडों देशवासी उन्हे महान सन्त मानते थे। लक्ष्य साधन में उनकी सच्चाई और निष्ठा पर उंगली नहीं उठाई जा सकती थी। महात्मा गांधी के जीवित रहने से सारा संसार सम्पन्न था और उनके निधन से दुनिया भर को लगा कि पूरा संसार ही विपन्न हो गया है। गांधी के परामर्श देश के लिए सदा सहायक सिद्ध हुए।जिनके बल पर देश को आजादी प्राप्त हुई। महात्मा गांधी एक ऐसे विजयी योद्धा थे जिसने बल प्रयोग का सदा निरादर किया वे बुद्धिमान नम्र, द्रढसंकल्पी और निश्चय के धनी थे।सच तो यह है कि आधुनिक इतिहास में किसी भी एक व्यक्ति ने अपनी चरित्र की वैयक्तिक शक्ति, ध्येय की पावनता और अंगीकृत उद्देश्य के प्रति निस्वार्थ निष्ठा से लोगों के दिमागों पर इतना असर नहीं डाला, जितना महात्मा गांधी का असर दुनिया पर हुआ था। देश और दुनिया के लिए महात्मा गांधी उन महान व्यक्तित्वों में से एक थें जो अपने विश्वास पर हिमालय की तरह अटल और दृढ़ रहते थे ससांर का प्रत्येक व्यक्ति सोचता है कि गांधी जी एक उत्तम व्यक्ति थें तो उन्हे क्यों मार डाला गया यह सवाल अनेक लोगों ने उठाया लेकिन इसका जवाब है कि कुछ लोग नही चाहते कि देश दुनिया में भले लोगो का वजूद कायम रहे इसी कारण कुछ सिरफिरे ऐसे महानतम लोगो के भी दुश्मन बन जाते है। महात्मा गांधी की यह भी विषेशता थी कि वह चाहे कही भी रहे और चाहे जिस तरह के काम व्यस्त हो लेकिन हर रोज सुबह सबसे पहले प्रार्थना जरूर करते थे। अपने देश के लोगों में भी महात्मा गांधी शीर्ष स्तर पर छाये रहे। प्रथम प्रधानमन्त्री पण्डित जवाहर लाल नेहरू उन्हे एक उच्च सिद्धान्तवादी और सत्य का अनुयायी सन्त मानते थे। उनकी नजर में गांधी जनता की नब्ज को खूब पहचानते थे वे कहा करते थे कि वास्तव में यदि कोई सार रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करने में योग्य था तो वह सिर्फ और सिर्फ महात्मा गांधी थे। बहुत सी बातों में लोगों का गांधी जी से मतभेद हो सकता है और बहुत से लोग उनसे अधिक विद्वान हो सकते है परन्तु उनमें चरित्र की जो महतता है उसके कारण वह सब लोगों के आदर्श बन गये थे। गांधी जी निसंदेह उस धातु के बने हुए है जिस धातु से शुरमा और बलिदानी लोगों का निर्माण होता हैं आत्मिक शक्ति के बल पर महात्मा गांधी विश्व भर में छाये रहे।लेकिन दुर्भाग्य है कि देश को आजाद कराने का प्रबल आधार स्तभ बने महात्मा गांधी के प्रति कृज्ञता अभिव्यक्त करने के बजाए कुछ लोग उनके हत्यारे को महिमा मंडित करने का निदंनीय प्रयास कर रहे है। ऐसे लोगो को देश कभी माफ नही करेगा। गांधी के जीवन, धर्म, राजनीति, चिंतन में, स्वतंत्रता संघर्ष में या कह लें कहीं भी, उनका हर क्षण धर्म से प्रच्छन्न था. उसी से प्रेरित-निर्देशित था. उनके पास धर्मविहीन या धर्म से परे कुछ भी नहीं था. गांधी का यह धर्म, उनके व्यक्तिगत जीवन में असंदिग्ध रूप से हिंदू था और अन्य दूसरे धर्मों के प्रति पूरी तरह सहिष्णु और विनीत था. इस धर्म का 'ईश्वर', इसकी 'आध्यात्मिकता', 'आत्मा' और 'नैतिकता' उनकी अपनी गढ़ी हुई या चुनी गई परिभाषाओं से तय होती थी. उनकी व्यक्तिगत जीवन शैली और आचरण से परिभाषित होती थी. गांधी के जीवन के संस्कार अस्तेय, सत्य, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य से बने थे. गांधी कमोबेश इन्हें अपने जीवन में, अपने कर्म और दर्शन में हमेशा उतारने की कोशिश करते रहे. गांधी ने जब 1920 में अपनी पहली बड़ी राजनैतिक लड़ाई शुरू की, तब तक वे देश के पारंपरिक और कट्टर हिंदुओं के लिए भी, राष्ट्रीयता, स्वतंत्रता संघर्ष और अंग्रेजों के शासन से मुक्ति की आकांक्षा के साथ-साथ, उनकी हिंदू आस्था के रक्षक और हिंदू धर्म के पुनरुद्धार का प्रतीक भी बन चुके थे। गांधी ने खुद भी, 12 अक्तूबर, 1921 के यंग इंडिया में घोषणा की थीः ''मैं अपने को सनातनी हिंदू कहता हूं क्योंकि मैं वेदों, उपनिषदों, पुराणों और समस्त हिंदू शास्त्रों में विश्वास करता हूं और इसीलिए अवतारों और पुनर्जन्मों में भी मेरा विश्वास है। मैं वर्णाश्रम धर्म में विश्वास करता हूं। इसे मैं उन अर्थों में मानता हूं जो पूरी तरह वेद सम्मत हैं लेकिन उसके वर्तमान प्रचलित और भोंडे रूप को नहीं मानता। मैं प्रचलित अर्थों से कहीं अधिक व्यापक अर्थ में गाय की रक्षा में विश्वास करता हूं। मूर्तिपूजा में मेरा विश्वास नहीं है. बावजूद इस सबके, गांधी का यह हिंदू धर्म या उनका हिंदुत्व, देश के तत्कालीन प्रमुख हिंदू संगठनों, 'हिंदू महासभा' और 'राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ' के हिंदुत्व से पूरी तरह अलग था। गांधी की प्रार्थना सभाओं में कुरआन का पाठ होता था। बाइबल और गीता उनके लिए बराबर का महत्व रखती थीं। गांधी का भारत हिंदू भारत न हो कर वह भारत था, जिसमें समस्त स्तरों पर समानता के साथ, देश के समस्त धर्मों, जीवन पद्धतियों, उपासना पद्धतियों, रीति-रिवाजों का समावेश हो. लेकिन आज हालत यह है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पौत्र वधू डॉ. शिवा लक्ष्मी गांधी दिल्ली के माहौल से परेशान होकर दिल्ली से चली गईं है। वह पिछले एक साल से गुमनामी की जिंदगी जी रही थीं। वह कादीपुर में में रह रही थी। नवंबर 2016 में पति कनु गांधी की मृत्यु के बाद अकेले जिंदगी बीताती रही 95 साल की डॉ. शिवा लक्ष्मी गांधी का इरादा था कि बची हुई जिंदगी दिल्ली में ही बिताएंगी।

ऐसे थे लाल बहादुर शास्त्री

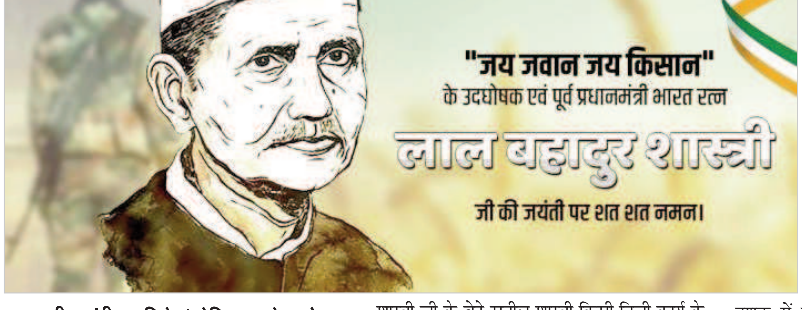

शास्त्री जयंती पर विशेष/ लेखिका- श्वेता गोयल

वर्ष 1964 में प्रधानमंत्री बनने से पहले लाल बहादुर शास्त्री विदेश मंत्री, गृहमंत्री और रेल मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद संभाल चुके थे। ईमानदार छवि और सादगीपूर्ण जीवन जीने वाले लाल बहादुर शास्त्री नैतिकता की मिसाल थे। जब शास्त्री जी प्रधानमंत्री बने, तब उन्हें सरकारी आवास के साथ इंपाला शेवरले कार भी मिली थी लेकिन उसका उपयोग वे बेहद कम किया करते थे। किसी राजकीय अतिथि के आने पर ही वह गाड़ी निकाली जाती थी। एक बार शास्त्री जी के बेटे सुनील शास्त्री किसी निजी कार्य के लिए यही सरकारी कार उनसे बगैर पूछे ले गए और अपना काम पूरा करने के पश्चात् कार चुपचाप लाकर खड़ी कर दी। जब शास्त्री जी को इस बात का पता चला तो उन्होंने ड्राइवर को बुलाकर पूछा कि गाड़ी कितने किलोमीटर चली? ड्राइवर ने बताया कि गाड़ी कुल 14 किलोमीटर चली है। उसी क्षण शास्त्री जी ने उसे निर्देश दिया कि रिकॉर्ड में लिख दो, 'चौदह किलोमीटर प्राइवेट यूज'। उसके बाद उन्होंने पत्नी ललिता को बुलाकर निर्देश दिया कि निजी कार्य के लिए गाड़ी का इस्तेमाल करने के लिए वह सात पैसे प्रति किलोमीटर की दर से सरकारी कोष में पैसे जमा करवा दें। प्रधानमंत्री बनने के बाद शास्त्री जी पहली बार अपने घर काशी आ रहे थे, तब पुलिस-प्रशासन उनके स्वागत के लिए चार महीने पहले से ही तैयारियों में जुट गया था। चूंकि उनके घर तक जाने वाली गलियां काफी संकरी थी, जिसके चलते उनकी गाड़ी का वहां तक पहुंचना संभव नहीं था, इसलिए प्रशासन द्वारा वहां तक रास्ता बनाने के लिए गलियों को चौड़ा करने का निर्णय लिया गया। शास्त्री जी को यह पता चला तो उन्होंने तुरंत संदेश भेजा कि गली को चौड़ा करने के लिए कोई भी मकान तोड़ा न जाए, मैं पैदल ही घर जाऊंगा। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 1940 के दशक में लाला लाजपत राय की संस्था 'सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी' द्वारा गरीब पृष्ठभूमि वाले स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को जीवनयापन हेतु आर्थिक मदद दी जाया करती थी। उसी समय की बात है, जब लाल बहादुर शास्त्री जेल में थे। उन्होंने उस दौरान जेल से ही अपनी पत्नी ललिता को एक पत्र लिखकर पूछा कि उन्हें संस्था से पैसे समय पर मिल रहे हैं या नहीं और क्या इतनी राशि परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त है? पत्नी ने उत्तर लिखा कि उन्हें प्रतिमाह पचास रुपये मिलते हैं, जिसमें से करीब चालीस रुपये ही खर्च हो पाते हैं, शेष राशि वह बचा लेती हैं। पत्नी का यह जवाब मिलने के बाद शास्त्री जी ने संस्था को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने धन्यवाद देते हुए कहा कि अगली बार से उनके परिवार को केवल चालीस रुपये ही भेजे जाएं और बचे हुए दस रुपये से किसी और जरूरतमंद की सहायता कर दी जाए। रेलमंत्री रहते हुए शास्त्री जी एक बार रेल के ए.सी. कोच में सफर कर रहे थे। उस दौरान वे यात्रियों की समस्या जानने के लिए जनरल बोगी में चले गए। वहां उन्होंने अनुभव किया कि यात्रियों को कितनी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे वे काफी नाराज हुए और उन्होंने जनरल डिब्बे के यात्रियों को भी सुविधाएं देने का निर्णय लिया। रेल के जनरल डिब्बों में पहली बार पंखा लगवाते हुए रेलों में यात्रियों को खानपान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पैंट्री की सुविधा भी उन्होंने शुरू करवाई। 2 अक्तूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में जन्मे भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की आज हम जयंती मना रहे है। उनके बाद कई प्रधानमंत्रियों ने देश की बागडोर संभाली लेकिन उनके जितना सादगी वाला कोई भी दूसरा प्रधानमंत्री देखने को नहीं मिला। सही मायनों में शास्त्री जी को उनकी सादगी, कुशल नेतृत्व और जनकल्याणकारी विचारों के लिए ही स्मरण किया जाता है और सदैव किया भी जाता रहेगा। उनके पद्चिन्हों पर चलने का संकल्प लेना ही सच्चे अर्थों में उन्हें हमारी श्रद्धांजलि होगी।

(लेखिका शिक्षिका हैं)

चिंतन-मनन

उत्सव है बुद्धत्व

बुद्धत्व मौलिक रूप से प्रांति है, विद्रोह है, बगावत है। काशी के पंडितों की सभा प्रमाणपत्र थोड़े ही देगी बुद्ध को! बुद्धपुरुष तुम्हें पोप की पदवियों पर नहीं मिलेंगे और न शंकराचायरें की पदवियों पर मिलेंगे। क्योंकि ये तो परंपराएं हैं। और परंपरा में जो आदमी सफल होता है, वह मुर्दा हो तो ही सफल हो पाता है। परंपरा के द्वारा पद पाना सिर्फ मुर्दों के भाग्य में हैं, जीवंत लोगों के नहीं। यह सौभाग्य है जीवितों का और मुर्दों का दुर्भाग्य! इसलिए तुम कैसे पहचानोगे? और पूरी पहचान का तुम विचार ही मत करना। क्योंकि तुम पूरा पहचानोगे तो तुम बुद्ध हो जाओगे और तुम बुद्ध होते तो पहचानने की जरूरत न थी। तुम नहीं हो, इसीलिए तो पहचानने चले हो। इसलिए पूरे-पूरे का खयाल मत करना। छोटा सा टुकड़ा चांदनी का तैर आए तुम्हारे पास, तो बहुत धन्यभाग! अहोभाग! तुम उतने ही पर भरोसा करना। उस चांदनी के टुकड़े को पकड़ कर अगर बढ़ते रहे, चलते रहे, तो किसी दिन पूरे चांद के भी मालिक हो जाओगे। किसी दिन पूरा आकाश भी तुम्हारा हो जाएगा। तुम्हारा है; लेकिन अभी तुम्हें पहुंचना नहीं आया, चलना नहीं आया। अभी तुम घुटने के बल चलते हुए छोटे बच्चे की भांति हो। अभी तुम्हें चलने का अभ्यास करना है। तो संत उदास नहीं होंगे। बुद्धपुरुष उदास नहीं होंगे। जिनको तुम देखते हो मंदिरों-मस्जिदों में बैठे गुरु-गंभीर लोग, लंबे चेहरों वाले लोग, बुद्धपुरुष वैसे नहीं होंगे। बुद्धपुरुष तो उत्सव है। बुद्धपुरुष तो ऐसा है जिसमें अस्तित्व के कमल खिल गए। बुद्धपुरुष गंभीर नहीं। बुद्धपुरुष के पास तो मृदुहास मिलेगा। हल्की-हल्की हंसी। एक मुस्कुराहट। एक स्मित। एक उत्सव। एक आनंदभाव। तो तुम्हारी आंसुओं से भरी आंखों और कारागृह में दबे चित्त के पास अगर तुम्हें कभी कोई एक स्मित, एक हास, एक उत्सव की झलक भी आ जाए, तो छोड़ा मत उन चरणों को। उन्हीं के सहारे तुम परममुक्ति और स्वातंत्र्य के आकाश तक पहुंच जाओगे। अब तक तो तुम्हारी पहचान पतझड़ से थी। तुम्हारा जीवन राग आंसुओं और रुदन से भरा था। तुमने जीवन का कोई और अहोभाव का क्षण जाना नहीं था। नरक ही नरक जाना था। जिस क्षण किसी व्यक्ति के पास तुम्हें लगे- हवा का झोंका आया- स्वच्छ, ताजा, मलयाचल से चलकर, पहाड़ों से उतर कर तुम्हारी घाटियों में, तुम्हारे अंधेरे में- हवा का ऐसा झोंका जिसके पास अनुभव में हो जाए, समझना बुद्धत्व करीब है। कुछ घटा है।

गाँधीवाद जीने की कला सिखाता है

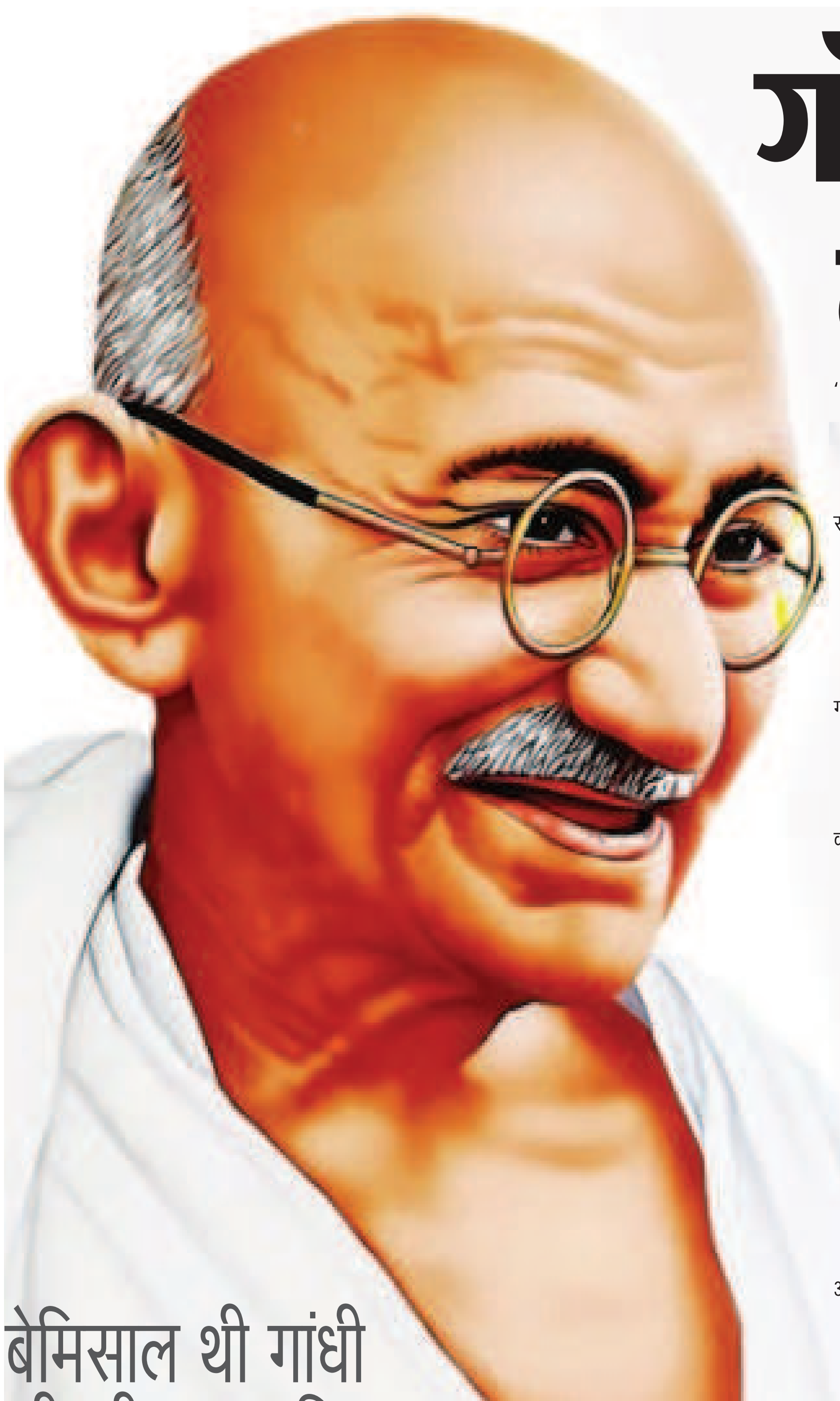

'गांधीवाद' महात्मा गांधी के आदर्शों, विश्वासों एवं दर्शन से उदभूत विचारों के संग्रह को कहा जाता है, जो स्वतंत्रता संग्राम के सबसे बड़े राजनैतिक एवं आध्यात्मिक नेताओं में से थे। यह ऐसे उन सभी विचारों का एक समेकित रूप है जो गांधीजी ने जीवन पर्यंत जिया था।

सत्य एवं आग्रह दोंनो ही संस्कृत भाषा के शब्द हैं, जो भारतीय स्वाधीनता संग्राम के दौरान प्रचलित हुआ था, जिसका अर्थ होता है सत्य के प्रति सत्य के माध्यम से आग्रही होना।गांधीवाद के बुनियादी तत्वों में से सत्य सर्वोपरि है। वे मानते थे कि सत्य ही किसी भी राजनैतिक संस्था, सामाजिक संस्थान इत्यादि की धुरी होनी चाहिए। वे अपने किसी भी राजनैतिक निर्णय को लेने से पहले सच्चाई के सिद्धांतों का पालन अवश्य करते थे।

गांधीजी का कहना था 'मेरे पास दुनियावालों को सिखाने के लिए कुछ भी नया नहीं है। सत्य एवं अहिंसा तो दुनिया में उतने ही पुराने हैं जितने हमारे पर्वत हैं।' सत्य, अहिंसा, मानवीय स्वतंत्रता, समानता एवं न्याय पर उनकी निष्ठा को उनकी निजी जिंदगी के उदाहरणों से बखूबी समझा जा सकता है।

कहा जाता है कि सत्य की व्याख्या अक्सर वस्तुनिष्ठ नहीं होती। गांधीवाद के अनुसार सत्य के पालन को अक्षरशः नहीं बल्कि आत्मिक सत्य को मानने की सलाह दी गयी है। यदि कोई ईमानदारी- पूर्वक मानता है कि अहिंसा आवश्यक है तो उसे सत्य की रक्षा के रूप में भी इसे स्वीकार करना चाहिए। जब गांधीजी प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान स्वदेश लौटे थे तो उन्होंने कहा था कि वे शायद युद्ध में ब्रिटिशों की ओर से भाग लेने में कोई बुराई नहीं मानते। गांधीजी के अनुसार ब्रिटिश साम्राज्य का हिस्सा होते हुए भारतीयों के लिए समान अधिकार की मांग करना और साम्राज्य की सुरक्षा में अपनी भागीदारी न निभाना उचित नहीं होता। वहीं दूसरी तरफ द्वितीय विश्वयुद्ध के समय जापान द्वारा भारत की सीमा के निकट पहुंच जाने पर गांधीजी ने युद्ध में भाग लेने को उचित नहीं माना बल्कि वहां अहिंसा का सहारा लेने की वकालत की है।

अहिंसा का सामान्य अर्थ है 'हिंसा न करना'। इसका व्यापक अर्थ है - किसी भी प्राणी को तन, मन, कर्म, वचन और वाणी से कोई नुकसान न पहुँचाना। मन में भी किसी का अहित न सोचना, किसी को कटुवाणी आदि के द्वारा भी पीड़ा न देना तथा कर्म से भी किसी भी अवस्था में, किसी भी प्राणी का कोई नुकसान न करना ।

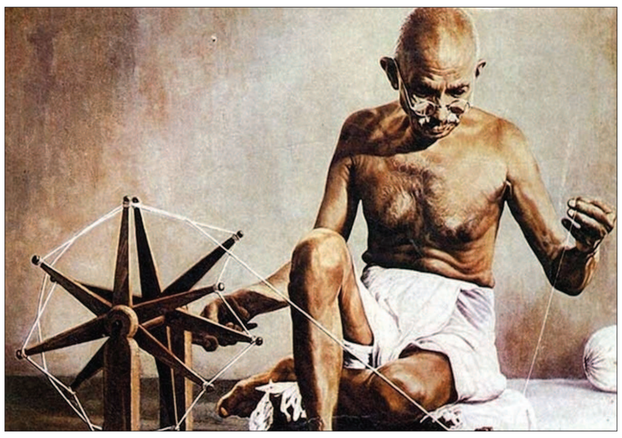

गाँधीजी के अनसार धर्म और राजनीति को अलग नही किया जा सकता है,क्योंकि धर्म मनुष्य को सदाचारी बनने के लिए प्रेरित करता है । स्वधर्म सबका अपना अपना होता है पर धर्म मनुष्य को नैतिक बनाता है । सत्य बोलना, चोरी नहीं करना, परदुःखकातरता,दूसरों की सहायता करना आदी यही सभी धर्म सिखाते हैं । इन मूल्यों को अपनाने से ही राजनीति सेवा भाव से की जा सकेगी । गाँधीजी आडम्बर को धर्म नही मानते और जोर देकर कहते हैं कि मन्दिर मे बैठे भगवान मेरे राम नही है । स्वामी विवेकानंदजी के दरिद्र नारायण की संकल्पना को अपनाते हुए मानव सेवा को ही वो सच्चा धर्म मानते हैं । वास्तव मे उनका विश्वास है कि प्रत्येक प्राणी इश्वर की सन्तान हैं और ये सत्य है; सत्य ही ईश्वर है ।

गांधीजी सामाजिक समानता के समर्थक थे,वे मानवता व सामाजिक समरसता में विश्वास करते थे। वे अंतःकरण की पवित्रता को मानता थे ।साम्प्रदायिक सद्भाव व बंधुता उनके जीवन के मुख्य तत्व थे ।वास्तव में गांधीवाद का अर्थ है -वे आदर्श जो हमें जीने की कला सिखाते हैं । यह हक़ीक़त है कि गांधीवाद कालजयी है ।

अंत में यही कहूंगा कि-

'गांधी ने फैला दिया,सचमुच में उजियार ।
आओ हम समझें ज़रा,गांधीपथ का सार ।।'

बेमिसाल थी गांधी जी की स्पष्टवादिता और सत्यनिष्ठा

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जीवन पर्यन्त देशवासियों के लिए आदर्श नायक बने रहे। स्वतंत्रता आन्दोलन में उनके अविस्मरणीय योगदान से तो पूरी दुनिया परिचित है। अहिंसा की राह पर चलते हुए भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्ति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गांधी जी ने अपनी स्पष्टवादिता और अहिंसक विचारों से पूरी दुनिया को प्रभावित किया था। उन्हीं के द्वारा दिखलाए मार्ग पर चलते हुए लाखों-करोड़ों भारतीय देश को अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराने के लिए स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा बने थे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की ईमानदारी, स्पष्टवादिता, सत्यनिष्ठा और शिष्टता के अनेक किस्से प्रचलित हैं। इन्हीं में कुछ ऐसे प्रसंग भी सामने आते हैं, जब उनकी बातें सुनकर उनके सम्पर्क में आए व्यक्ति का हृदय परिवर्तन हो जाता था। दरअसल लोगों के दिलोदिमाग पर उनकी बातों का जादू सा असर होता था।

गांधी जी एक बार श्रीमती सरोजिनी नायडू के साथ बैडमिंटन खेल रहे थे। श्रीमती नायडू के दाएं हाथ में चोट लगी थी। यह देख गांधी जी ने भी अपने बाएं हाथ में ही रैकेट पकड़ लिया। श्रीमती नायडू का ध्यान जब उस ओर गया तो वह खिलखिलाकर हंस पड़ी और कहने लगी, ''आपको तो यह भी नहीं पता कि रैकेट कौनसे हाथ में पकड़ा जाता है?'' बापू ने जवाब दिया, ''आपने भी तो अपने दाएं हाथ में चोट लगी होने के कारण बाएं हाथ में रैकेट पकड़ा हुआ है और मैं किसी की भी मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहता। अगर आप मजबूरी के कारण दाएं हाथ से रैकेट पकड़कर नहीं खेल सकती तो मैं अपने दाएं हाथ का फायदा क्यों उठाऊं?''

आजादी की लड़ाई के दिनों में गांधी जी सश्रम कारावास की सजा भुगत रहे थे। एक दिन जब उनके हिस्से का सारा काम समाप्त हो गया तो वे खाली समय में एक ओर बैठकर एक पुस्तक पढ़ने लगे। तभी जेल का एक संतरी दौड़ा-दौड़ा उनके पास आया और उनसे कहने लगा कि जेलर साहब जेल का मुआयना करने इसी ओर आ रहे हैं, इसलिए वो उनको दिखाने के लिए कुछ न कुछ काम करते रहें लेकिन गांधी जी ने ऐसा करने से साफ इन्कार कर दिया और कहा, ''इससे तो बेहतर होगा कि मुझे ऐसे स्थान पर काम करने के लिए भेजा जाए, जहां काम इतना अधिक काम हो कि उसे समय से पहले पूरा किया ही न जा सके।''

एक बार गांधी जी चम्पारण से बतिया रेलगाड़ी में सफर कर रहे थे। गाड़ी में अधिक भीड़ न होने के कारण वे तीसरे दर्जे के डिब्बे में जाकर एक बर्थ पर लेट गए। अगले स्टेशन पर जब रेलगाड़ी रूकी तो एक किसान उस डिब्बे में चढ़ा। उसने बर्थ पर लेटे हुए गांधी जी को अपशब्द बोलते हुए कहा, ''यहां से खड़े हो जाओ। बर्थ पर ऐसे पसरे पड़े हो, जैसे यह रेलगाड़ी तुम्हारे बाप की है।'' किसान को बिना कुछ कहे गांधी जी चुपचाप उठकर एक ओर बैठ गए। तभी किसान बर्थ पर आराम से बैठते हुए मस्ती में गाने लगा, ''धन-धन गांधी जी महाराज! दुःखियों का दुःख मिटाने वाले गांधी जी ...।''

दिलचस्प बात यह थी कि वह किसान कहीं और नहीं बल्कि बतिया में गांधी जी के दर्शनों के लिए ही जा रहा था लेकिन इससे पहले उसने गांधी जी को कभी देखा नहीं था, इसलिए रेलगाड़ी में उन्हें पहचान नहीं सका। बतिया पहुंचने पर स्टेशन पर जब हजारों लोगों की भीड़ ने गांधी जी का स्वागत किया, तब उस किसान को वास्तविकता का अहसास हुआ और शर्म के मारे उसकी नजरें झुक गई। वह गांधी जी के चरणों में गिरकर उनसे क्षमायाचना करने लगा। गांधी जी ने उसे उठाकर प्रेमपूर्वक अपने गले से लगा लिया।

ऐसी ही एक घटना दक्षिण अफ्रीका की है। एक प्रसिद्ध भारतीय व्यापारी रूस्तम जी गांधी जी के मुवक्किल और निकटतम सहयोगी भी थे। वे अपने सभी कार्य अक्सर गांधी जी की सलाह के अनुसार ही किया करते थे। उस दौरान कलकत्ता और बम्बई से उनका काफी सामान आता था, जिस पर वे प्रायः चुंगी चुराया करते थे। उन्होंने यह बात सदैव गांधी जी से छिपाकर रखी। एक बार चुंगी अधिकारियों द्वारा रूस्तम जी की यह चोरी पकड़ ली गई और उनके जेल जाने की नौबत आ गई। वे दौड़े-दौड़े गांधी जी के पास पहुंचे और उन्हें पूरा वृतांत सुना डाला। गांधी जी ने उनकी पूरी बात गौर से सुनने के बाद उन्हें उनके अपराध के लिए कड़ी फटकार लगाई और सलाह दी कि तुम सीधे चुंगी अधिकारियों के पास जाकर अपना अपराध स्वयं स्वीकार कर लो, फिर भले ही इससे तुम्हें जेल की सजा ही क्यों न हो जाए।

गांधी जी की सलाह मानकर रूस्तम जी उसी समय चुंगी अधिकारियों के पास पहुंचे और अपना अपराध स्वीकारते हुए भविष्य में फिर कभी ऐसा अपराध नहीं करने का वचन दिया। चुंगी अधिकारी उनकी स्पष्टवादिता से काफी प्रसन्न हुए और उन्होंने उन पर मुकद्दमा चलाने का विचार त्यागकर उनसे चुंगी की बकाया राशि से दोगुनी राशि वसूलकर उन्हें छोड़ दिया। ऐसा था गांधी जी का बातों का लोगों के दिलोदिमाग पर जादुई असर।

ऐसे थे लाल बहादुर शास्त्री

वर्ष 1964 में प्रधानमंत्री बनने से पहले लाल बहादुर शास्त्री विदेश मंत्री, गृहमंत्री और रेल मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद संभाल चुके थे। ईमानदार छवि और सादगीपूर्ण जीवन जीने वाले लाल बहादुर शास्त्री नैतिकता की मिसाल थे। जब शास्त्री जी प्रधानमंत्री बने, तब उन्हें सरकारी आवास के साथ इंपाला शेवरले कार भी मिली थी लेकिन उसका उपयोग वे बेहद कम किया करते थे। किसी राजकीय अतिथि के आने पर ही वह गाड़ी निकाली जाती थी। एक बार शास्त्री जी के बेटे सुनील शास्त्री किसी निजी कार्य के लिए यही सरकारी कार उनसे बगैर पूछे ले गए और अपना काम पूरा करने के पश्चात् कार चुपचाप लाकर खड़ी कर दी। जब शास्त्री जी को इस बात का पता चला तो उन्होंने ड्राइवर को बुलाकर पूछा कि गाड़ी कितने किलोमीटर चली? ड्राइवर ने बताया कि गाड़ी कुल 14 किलोमीटर चली है। उसी क्षण शास्त्री जी ने उसे निर्देश दिया कि रिकॉर्ड में लिख दो, 'चौदह किलोमीटर प्राइवेट यूज'। उसके बाद उन्होंने पत्नी ललिता को बुलाकर निर्देश दिया कि निजी कार्य के लिए गाड़ी का इस्तेमाल करने के लिए वह सात पैसे प्रति किलोमीटर की दर से सरकारी कोष में पैसे जमा करवा दें।

प्रधानमंत्री बनने के बाद शास्त्री जी पहली बार अपने घर काशी आ रहे थे, तब पुलिस-प्रशासन उनके स्वागत के लिए चार महीने पहले से ही तैयारियों में जुट गया था। चूंकि उनके घर तक जाने वाली गलियां काफी संकरी थी, जिसके चलते उनकी गाड़ी का वहां तक पहुंचना संभव नहीं था, इसलिए प्रशासन द्वारा वहां तक रास्ता बनाने के लिए गलियों को चौड़ा करने का निर्णय लिया गया। शास्त्री जी को यह पता चला तो उन्होंने तुरंत संदेश भेजा कि गली को चौड़ा करने के लिए कोई भी मकान तोड़ा न जाए, मैं पैदल ही घर जाऊंगा।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 1940 के दशक में लाला लाजपत राय की संस्था 'सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी' द्वारा गरीब पृष्ठभूमि वाले स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को जीवनयापन हेतु आर्थिक मदद दी जाया करती थी। उसी समय की बात है, जब लाल बहादुर शास्त्री जेल में थे। उन्होंने उस दौरान जेल से ही अपनी पत्नी ललिता को एक पत्र लिखकर पूछा कि उन्हें संस्था से पैसे समय पर मिल रहे हैं या नहीं और क्या इतनी राशि परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त है? पत्नी ने उत्तर लिखा कि उन्हें प्रतिमाह पचास रुपये मिलते हैं, जिसमें से करीब चालीस रुपये ही खर्च हो पाते हैं, शेष राशि वह बचा लेती हैं। पत्नी का यह जवाब मिलने के बाद शास्त्री जी ने संस्था को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने धन्यवाद देते हुए कहा कि अगली बार से उनके परिवार को केवल चालीस रुपये ही भेजे जाएं और बचे हुए दस रुपये से किसी और जरूरतमंद की सहायता कर दी जाए।

रेलमंत्री रहते हुए शास्त्री जी एक बार रेल के ए.सी. कोच में सफर कर रहे थे। उस दौरान वे यात्रियों की समस्या जानने के लिए जनरल बोगी में चले गए। वहां उन्होंने अनुभव किया कि यात्रियों को कितनी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे वे काफी नाराज हुए और उन्होंने जनरल डिब्बे के यात्रियों को भी सुविधाएं देने का निर्णय लिया। रेल के जनरल डिब्बों में पहली बार पंखा लगवाते हुए रेलों में यात्रियों को खानपान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पैंट्री की सुविधा भी उन्होंने शुरू करवाई। 2 अक्तूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में जन्मे भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की आज हम जयंती मना रहे है। उनके बाद कई प्रधानमंत्रियों ने देश की बागडोर संभाली लेकिन उनके जितना सादगी वाला कोई भी दूसरा प्रधानमंत्री देखने को नहीं मिला। सही मायनों में शास्त्री जी को उनकी सादगी, कुशल नेतृत्व और जनकल्याणकारी विचारों के लिए ही स्मरण किया जाता है और सदैव किया भी जाता रहेगा। उनके पदिच्न्हों पर चलने का संकल्प लेना ही सच्चे अर्थों में उन्हें हमारी श्रद्धांजलि होगी।

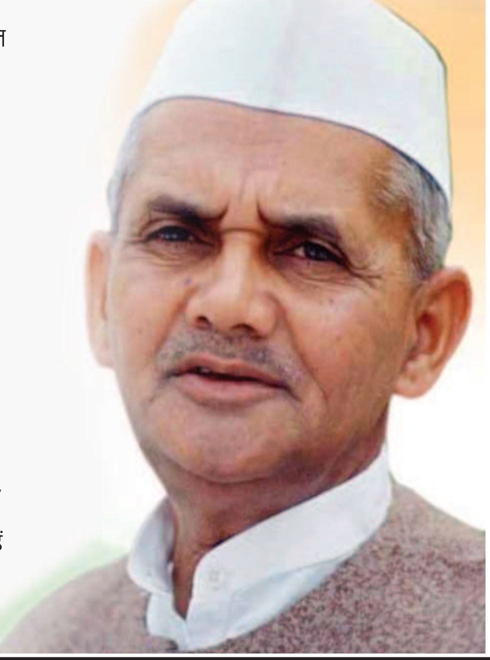

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट रही

मुंबई । एफआईआई की बिकवाली की वजह से बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट देखी गई। बीते सप्ताह सोमवार से लेकर गुरुवार तक शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए ले किन पिछले सात कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति की घोषणा के बाद शुक्रवार को विराम लग गया। इस दौरान बाजार में जोरदार तेजी देखी गई और बाजार बढ़त के साथ बंद होने में कामयाब रहे। बीते सप्ताह भर के कारोबार दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 816.72 अंक गिरकर 57,282.20 खुला और 953.70 अंक की गिरावट के साथ 57,145.22 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 254.4 अंक टूटकर 17,072.95 पर खुला और 311.05 अंक की गिरावट के साथ 17,016.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 461.82 अंक चढ़कर 57,607.04 पर खुला और 37.70 अंक की गिरावट के साथ 57,107.52 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 144.15 अंक बढ़कर 17,160.45 पर खुला और 8.90 अंक की मामूली गिरावट के साथ 17,007.40 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 608.8 अंक गिरकर 56,498.72 पर खुला और 509.24 अंक की गिरावट के साथ 56,598.28 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 182 अंक टूटकर 16,825.40 पर खुला और 148.80 अंक की गिरावट के साथ 16,858.60 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 567.86 अंक चढ़कर 57,166.14 पर खुला और 188.32 अंक की गिरावट के साथ 56,409.96 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 167.45 अंक बढ़कर 17,026.05 पर खुला और 40.50 अंक की गिरावट के साथ 16,818.10 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 262.73 अंक गिरकर 56,147.23 पर खुला और 1,016.96 अंक उछलकर 57,426.92 पर बंद हुआ।

एसबीआई सहित कई बैंकों ने कर्ज किया महंगा, बढ़ेगी ईएमआई

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो रेट बढ़ाने के बाद देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने भी अपने लोन महंगे कर दिए हैं। इसके अलावा कई और बैंकों ने भी अपने कर्ज महंगा कर दिया है। एसबीआई की वेबसाइट के मुताबिक एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिग रेट (ईबीएलआर) और रेपो रेट से संबंधित उधार दर आरएलएलआर में 50 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद ईबीएलआर 8.55 फीसदी और आरएलएलआर 8.15 पर पहुंच गया है। शनिवार से नई दरें प्रभावी हो हो गई हैं। बैंक ऑफ इंडिया ने आरएलएलआर बढ़ाकर 8.75 फीसदी कर दिया है। आईसीआईसीआई बैंक ने भी अपने ईबीएलआर बढ़कार 9.60 फीसदी कर` दिया है। एचडीएफसी ने होम लोन के ब्याज दर में 0.50 फीसदी की बढ़ोतरी की है। इस वित्तीय संस्थान ने बीते पांच महीने में सातवीं बार ब्याज दरों में इजाफा किया है। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को चौथी बार रेपो रेट में बढ़कर 5.90 फीसदी पर पहुंच गया है। रेपो रेट वह दर होती है जिस पर आरबीआई बैंकों को कर्ज देता है।

गैर इथेनॉल पेट्रोल-डीज़ल पर उत्पाद शुल्क में राहत

नई दिल्ली । सरकार ने वगैर इथेनॉल पेट्रोल और डीजल पर दो रुपए उत्पाद शुल्क लगाने की समय सीमा में कुछ राहत देने की घोषणा की है। इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। अब से वगैर इथेनॉल मिश्रण के पेट्रोल और डीज़ल पर दो रुपए उत्पाद शुल्क लगना था लेकिन पेट्रोल पर यह एक नवंबर से और डीज़ल पर यह छह महीने बाद एक अप्रैल 2023 से प्रभावीहोगा। वित्त मंत्री ने चालू वित्त वर्ष के बजट में यह घोषणा की थी।

19 किलो वाले व्यवसायिक एलपीजी सिलेंडर की घटी कीमत

- महानगरों में करीब 37 रुपए तक कम हुए दाम

नई दिल्ली। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने त्योहारों के सीजन में एलपीजी की कीमतों में कमी कर दी है। यह बदलाव कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर में हुआ है। अब महानगरों में 19 किलोग्राम वाला एलपीजी सिलेंडर करीब 37 रुपए (36.50 रुपए) तक सस्ता हो गया है। नई कीमतें 1 अक्टूबर से प्रभावी हो गई हैं। दिल्ली में कर्मशिलय एलपीजी सिलिंडर की कीमत 25.50 रुपए घटकर 1859 रुपए हो गई है। पहले इसकी कीमत 1885 रुपए थी। इसी तरह कोलकाता में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 1995.50 रुपए घटकर 1959 रुपए का हो गया है। मुंबई में इसकी कीमत 1844 रुपए से गिरकर 1811.50 रुपए और चेन्नई में 2045 रुपए से घटकर 2009.50 रुपए पहुंच गई है। इससे पहले 1 सितंबर को भी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 100 रुपए तक की कटौती की थी। उससे पहले जुलाई में इनके दाम में 8.5 रुपए घटाए गए थे। हालांकि उसी दिन घरेलू गैस सिलिंडर की कीमत में 50 रुपए का इजाफा कर दिया गया था। अब तक 14.2 किलोग्राम वाले गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में यह 1053 रुपए का मिल रहा है। वहीं कोलकाता में 1079 रुपए, मुंबई में 1052.5 रुपए और चेन्नई में इसकी कीमत 1068.5 रुपए है। नए नियमों के मुताबिक ग्राहक साल में 15 से अधिक सिलेंडर नहीं खरीद सकेंगे। खबर के मुताबिक, केवल 12 सिलेंडर ही सब्सिडी वाले दाम पर मिलेंगे। इसके अलावा महीने में 2 से अधिक सिलेंडर नहीं खरीदे जा सकेंगे।

भारत में बाजार हिस्सेदारी गंवा सकती है चीनी स्मार्टफोन कंपनियां

नई दिल्ली । सरकार के दबाव की वजह से चीनी स्मार्टफोन कंपनियां भारत में अपनी बाजार हिस्सेदारी गंवा सकती हैं। रेटिंग एजेंसी फिच ने बाजार पर नजर रखने वाली फर्म काउंटरपॉइंट और आईडीसी की रिपोर्ट के हवाले से यह बात कही है। फिच की रिपोर्ट में कहा गया है` कि भारत में मांग मजबूत रहेगी लेकिन हाल ही में सरकारी एजेंसियों द्वारा चीनी स्मार्टफोन कंपनियों के खिलाफ की गई कार्रवाई असर दिखाएगी। चीनी कंपनियां बाजार हिस्सेदारी गंवा सकती हैं। भारतीय राजस्व एजेंसियां ओपो, वीवो इंडिया और शाओमी के खिलाफ करीब 7,300 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी के आरोप की जांच कर रही हैं। इसका असर नजर आने लगा है। मसलन, 2021 की दूसरी तिमाही से अब तक भारतीय बाजार में शाओमी की हिस्सेदारी 32 फीसदी घट चुकी है। जून तक देश की टॉप-5 स्मार्टफोन कंपनियों में 4 चीन की हैं, जिनका 63 फीसदी बाजार पर कब्जा है। प्रमुख 5 में से एकमात्र सैमसंग चीनी कंपनी नहीं है। चीनी कंपनी शाओमी 19

खाद्य सुरक्षा, मुफ्त राशन योजना के लिए पर्याप्त खाद्यान्न मौजूदः सरकार

नई दिल्ली ।

सरकार ने कहा कि खाद्य सुरक्षा, मुफ्त राशन योजना पीएमजीकेएवाई और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के तहत खाद्यान्न जरूरतों को पूरा करने के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के गोदामों में 4.4 करोड़ टन का पर्याप्त खाद्यान्न मौजूद है। खाद्य मंत्रालय ने कहा कि एक अप्रैल 2023 तक सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद लगभग 1.13 करोड़ टन गेहूं और 2.36 करोड़ टन चावल उपलब्ध होगा। इस सप्ताह की शुरुआत में मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) को तीन महीने के लिए बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस पर 44,762 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। मंत्रालय ने एक बयान में कहा` कि एफसीआई के पास राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए), अन्य योजनाओं और पीएमजीकेएवाई की अतिरिक्त आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए खाद्यान्न का पर्याप्त भंडार है। मंत्रालय के अनुसार एफसीआई के पास अब तक केंद्रीय पूल में लगभग 2.32 करोड़ टन गेहूं और 2.09 करोड़ टन चावल है।

5जी की लॉन्चिंग के बाद आई अद्योग जगत की प्रतिक्रिया, बोले-

डिजिटल में आएगा क्रांतिकारी परिवर्तन

नई दिल्ली:

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आज देश में 5 जी सेवाओं का शुभारंभ किये जाने का स्टाटर्अप से लेकर टेलीकॉम क्षेत्र और इसके लिए उपकरण आदि बनाने वाली कंपनियों ने स्वागत करते हुये कहा कि इससे देश में विकास का अगला चरण शुरू होगा। मीडियाटेक इंडिया के प्रबंध निदेशक अंकु जैन ने कहा कि 5जी कारोबारियों के लिए अवसरों की एक नयी लहर पैदा करेगा जिससे इस देश के लिए वृद्धि का अगला चरण शुरू होगा। 5जी टेक्नोलॉजी महज निर्बाध कनेक्टिविटी और तेज स्पीड ही नहीं, बल्कि कारोबार और उद्योग जगत में क्रांति लाने जा रहा है जहां उन्नयन, अनुसंधान एवं विकास और नवप्रवर्तन बढ़ेगा और साथ ही ग्राहकों के अनुभवों में भी सुधार होगा। 5 जी डिजिटल इंडिया पहल के लिए एक प्रमुख कारक होगा और एआई, क्लाउड, आईओटी एवं अन्य प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर भारत में डिजाइन के अवसरों को बढ़ाएगा। हमारा अनुमान है कि भारत अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर आरएंडडी और डिजाइन के लिए एक बड़ा हब बनने जा रहा है और 5जी के लांच होने से डिजिटल परिवर्तन की गति में तेजी आएगी। मीडियाटेक भारत के लोगों को बधाई देता है और हमें आत्मनिर्भर की ओर भारत की यात्रा में इस महत्वपूर्ण कीर्तिमान का हिस्सा बनकर अत्यधिक गर्व है। टेलीकॉम सेक्टर स्किल काउंसिल के सीईओ अरविंद बाली ने कहा '' भारत में बहुप्रतीक्षित 5 जी सेवाओं की लांचिंग की घोषणा करने पर हम हमारे माननीय प्रधानमंत्री की सराहना करते हैं। 5 जी सेवाओं के लिए मांग बढ़ने से भारत में कुशल कार्यबल के लिए ढेरों अवसर पैदा होंगे। एक अनुमान के मुताबिक, वित्त वर्ष 2021-22 में भारत में 5जी और सहायक प्रौद्योगिकियों के लिए करीब 36,000 सक्षम कर्मचारियों की जरूरत थी। इंटरनेट सेवाओं और एप्स का इस्तेमाल बढ़ने, बेहतर दूरसंचार नेटवर्क के लिए मांग बढ़ने और वर्तमान में 5 जी नेटवक`के लागू होने से यह अंतर बढ़ना तय है। इस मांग को पूरी करने के लिए टीएसएससी ने 5 जी और इससे जुड़ी प्रौद्योगिकियों में पहले ही पाठ्यक्रम विकसित कर लिया है और देशभर में कई उत्कृष्ट केंद्र और प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना की है। टेक महिन्द्रा के अध्यक्ष (संचार, मीडिया एवं मनोरंजन कारोबार) और सीईओ (नेटवक `सर्विसेज) मनीष व्यास ने कहा कि 5 जी पारितंत्र से सभी क्षेत्र के उद्योगों के लिए अवसरों के व्यापक द्वार खुलेंगे जिनसे वे नवप्रवर्तन के लिए अनूठे विचारों के साथ प्रयोग कर सकेंगे और वृद्धि की नयी संभावनाएं पैदा कर सकेंगे। 5 जी नेटवर्क टेक्नोलॉजी में ना केवल एक ऊंची छलांग है, बल्कि यह नवप्रवर्तन के लिए एक प्लेटफॉर्म है। 5 जी डिजिटल विकास को नए पंख लगाएगा जिससे हम आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महारथी बनने के करीब ले जायेगा। 5 जी को लेकर उद्योग अत्यधिक उत्साहित है और 5 जी के हकीकत बनने के इस यादगार पल में सरकार और भारत के लोग बधाई के पात्र हैं।

यूरोपीय देशों में पहली बार 10 फीसदी तक पहुंची मुद्रास्फीति की दर

- बढ़ती महंगाई से मंदी और आर्थिक संकट का खतरा बढ़ा

नई दिल्ली ।

यूरोपीय देशों में बढ़ती महंगाई से मंदी और आर्थिक संकट की वजह से खतरा बढ़ता जा रहा है। जोन में आने वाले 19 देशों में पहली बार मुद्रास्फीति की दर दोहरे अंक के साथ 10 फीसदी तक पहुंच गई है। हाल ही में जारी` किए गए यूरो स्टेट डेटा के अनुसार यूरोजोन में कंज्यूमर प्राइसेज सितंबर में 10 फीसदी बढ़ी है। जबकि अगस्त में यह दर 9.1 फीसदी और इसके आगे 9.7 फीसदी रहने का अनुमान था लेकिन 10 प्रतिशत की यह दर काफी ज्यादा है। एक रिपोर्ट के अनुसार यह लगातार पांचवा महीना है जब कंज्यूमर गुड्स में वृद्धि अर्थशास्त्रियों के अनुमान से ज्यादा है। अब महंगाई पर नियंत्रण पाने के लिए सेंट्रल बैंकों पर ब्याज दर में बढ़ोतरी करने का दबाव बढ़ गया है। यूरो स्टेट डेटा के मुताबिक इन सभी 19 देशों में महंगाई बढ़ने के पीछे एक बड़ी वजह है ऊर्जा और खाने-पीने के सामानों की कीमतों में वृद्धि है। ऊर्जा की कीमतों में सालाना आधार पर 40.8 फीसदी की वृद्धि हुई, जो अगस्त में 38.6 फीसदी थी। इसके बाद भोजन, शराब और तंबाकू की कीमतों में 11.8 फीसदी की वृद्धि हुई, जो पिछले महीने 10.6 फीसदी थी।

लिथुआनिया में तो महंगाई दर 22 फीसदी से ज्यादा आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंग्लैंड दूसरी बार ब्याज दर में 0.75 फीसदी की बढ़ोतरी कर सकता है और इसका सीधा असर यूरोपीय शेयर बाजारों पर देखने को मिलेगा। अमेरिका में खुदरा महंगाई दर बढ़ने से लगातार ब्याज दरें बढ़ाई जा रही हैं। फेडरल रिजर्व लगातार ब्याज दरों में तीसरी बार 0.75 फीसदी की बढ़ोतरी कर चुका है। अमेरिका के अलावा भारत समेत दुनिया के कई देश महंगाई पर नियंत्रण के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी का ऐलान कर चुके हैं।

ईरान से तेल लेने की वजह से अमेरिका ने पेट्रोकेम पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली । ईरान से तेल लेने की वजह से अमेरिका ने मुंबई की पेट्रोकेमिकल ट्रेडिंग कंपनी तिबालाजी पेट्रोकेम पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह पहला मौका है जब अमेरिका ने ईरान के साथ रिश्तों के कारण किसी भारतीय कंपनी पर प्रतिबंध लगाया है। अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्टमेंट ने कहा कि कंपनी ने ईरान से लाखों डॉलर का पेट्रोकेमिकल प्रॉडक्ट्स खरीदा और फिर इसे चीन भेज दिया। अमेरिका ने इसके साथ ही सात अन्य कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाया है। ये कंपनियां यूएई, हांगकांग और चीन की हैं। भारत सरकार ने उक्त मामले में अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है लेकिन जानकारों का कहना है कि अमेरिका का इस समय यह कदम उठाना चिंताजनक है। विदेश मंत्री एस जयशंकर हाल ही में अमेरिका दौरे से लौटे हैं। अमेरिका यात्रा में उन्होंने कई शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की थी। इनमें विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन, रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन, वाणिज्य मंत्री जी एम रेमंडो और नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर जेक सुलीवन शामिल हैं। हाल के महीनों ने भारत ने ईरान के साथ अपने संबंधों पर फोकस किया है। खासकर इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर के जरिए कनेक्टिविटी बढ़ाने और चाबहार पोर्ट पर बात आगे बढ़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हाल में समरकंद में आयोजित एससीओ समिट में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी से मुलाकात की थी। इस बैठक में कनेक्टिविटी लिंक्स पर जोर दिया गया था। ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारतीय कंपनियों ने वहां से तेल मंगाने से परहेज किया है।

लगातार 8वें सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार में आई गिरावट

- 16 सितंबर 2022 को समाप्त सप्ताह में भी विदेशी मुद्रा भंडार में 5.22 अरब डॉलर कम हुआ था

मुंबई ।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार आठवें सप्ताह फिर से गिरावट आई है। 23 सितंबर 2022 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 8.134 अरब डॉलर की कमी हुई। यह अगस्त 2020 के बाद का न्यूनतम स्तर है। इससे पहले 16 सितंबर 2022 को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान भी विदेशी मुद्रा भंडार में 5.22 अरब डॉलर की कमी हुई थी और यह घटकर 545 अरब डॉलर रह गया था। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार 23 सितंबर 2022 को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.134 अरब डॉलर घटकर 537.518 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले बीते 16 सितंबर को भी यह 5.22 अरब डॉलर घट कर 545 अरब डॉलर रह गया था। पिछले महीने पांच अगस्त को समाप्त सप्ताह से यह लगातार घट रहा है। हालांकि, बीते 29 जुलाई को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 2.4 अरब डॉलर बढ़ कर 573.875 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। उससे पहले देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार चार सप्ताह तक गिरावट हुई थी। बीते 23 सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में आई गिरावट का मुख्य कारण फॉरेन करेंसी असेट का घटना है। यह कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। आरबीआई द्वारा जारी किए गए भारत के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा अस्तियां 7.688 अरब डॉलर घटकर 477.212 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखे जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभावों को शामिल किया जाता है। आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार में भी कमी हुई है। अब इसका मूल्य 30 करोड़ डॉलर घटकर 37.886 अरब डॉलर पर आ गया है।

स्मार्टफोन वीवो वाय73टी 5जी लांच

-50एमपी कैमरा और 6000एमएएच बैटरी है इसकी खूबियां

नई दिल्ली ।

चायनीज कंपनी वीवो ने स्मार्टफोन वीवो वाय73टी 5जी को लॉन्च कर दिया है। इस फोन को कंपनी ने तीन स्टोरेज के साथ वेरिएंट- 8जीबी+128जीबी, 8जीबी+256जीबी और 12जीबी+256जीबी में लॉन्च किया है। फोन 50 मेगापिक्सल के प्राइमरी कैमरा और मीडियाटेक डाइमेंसिटी 700 प्रोसेसर से लैस है। चीन में लॉन्च हुए इस फोन की शुरुआती कीमत करीब 16 हजार रुपये है। यह हैंडसेट ऑटम, फॉग ब्लू और मिररर ब्लैक कलर ऑप्शन में आता है। फोन में कंपनी 1080×2408 पिक्सल रेजॉलूशन के साथ 6.58 इंच का फुल एचडी+ एलसीडी पैनल दे रही है। 20:9 के आस्पेक्ट रेशियो के साथ आने वाले इस डिस्प्ले का रिफ्रेश रेट 60एचझेड और टच सैंप्लिंग रेट 180एचझेड है। कंपनी का यह फोन 12जीबी तक की एलपीडीडीआर4एक्स रैम और 256जीबी तक के यूएफएस 2.1 स्टोरेज के साथ आता है। प्रोसेसर के तौर पर इस फोन में कंपनी माली-जी57 जीपीयू के साथ मीडियाटेक डाइमेंसिटी 700 चिपसेट दे रही है। कनेक्टिविटी के लिए इसमें ड्यूल मोड 5जी, ड्यूल बैंड वाई-फाई, ब्लूटूथ 5.1, यूएसबी टाइप-सी पोर्ट और 3.5एमएम हेडफोन जैक जैसे ऑप्शन दिए गए हैं। ओएस की जहां तक बात है, तो यह फोन ऐंड्रॉयड 11 पर बेस्ड आरीजीनओएस ओसन पर काम करता है। फोन के रियर में एलईडी फ्लैश के साथ ड्यूल कैमरा सेटअप दिया गया है। इसमें 50 मेगापिक्सल का मेन और एक 2 मेगापिक्सल का मैक्रो कैमरा शामिल है। वहीं, सेल्फी के लिए कंपनी इस फोन में 8 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा ऑफर कर रही है। फेस वेक फेशियल रिकॉग्निशन और साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर से लैस इस फोन में 6000 एमएएच की बैटरी दी गई है। यह बैटरी 44 वॉट की फ्लैश चार्जिंग को सपोर्ट करती है।

इस साल खरीफ सत्र में धान का रकबा 4.76 प्रतिशत कम हुआ

- पिछले साल खरीफ सत्र में धान का रकबा 423.04 लाख हेक्टेयर था

नई दिल्ली ।

झारखंड, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में अनियमित मानसूनी बारिश के कारण खरीफ सत्र में धान बुआई का रकबा 4.76 प्रतिशत घटकर 402.88 लाख हेक्टेयर रह गया है। कृषि मंत्रालय ने 2022 के खरीफ सत्र के लिए बुवाई के रकबे का अंतिम आंकड़ा जारी किया। पिछले साल खरीफ सत्र में धान का रकबा 423.04 लाख हेक्टेयर था। सभी खरीफ फसलों की बुवाई का कुल रकबा पिछले साल के 1,112.16 लाख हेक्टेयर से घटकर 1,102.79 लाख हेक्टेयर रह गया है। धान के मामले में झारखंड (9.22 लाख हेक्टेयर), पश्चिम बंगाल (3.65 लाख हेक्टेयर), उत्तर प्रदेश (2.48 लाख हेक्टेयर), मध्य प्रदेश (2.24 लाख हेक्टेयर), बिहार (1.97 लाख हेक्टेयर), आंध्र प्रदेश (एक लाख हेक्टेयर), असम (0.99 लाख हेक्टेयर) और छत्तीसगढ़ (0.74 लाख हेक्टेयर) से कम बुवाई रकबे की सूचना मिली है। दलहन खेती का रकबा भी वर्ष 2021 के खरीफ सत्र के 139.21 लाख हेक्टेयर से घटकर 133.68 लाख हेक्टेयर रह गया। हालांकि, मोटे अनाज का रकबा 175.15 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 183.89 लाख हेक्टेयर हो गया। गैर-खाद्यान्न श्रेणी में तिलहन का रकबा 193.99 लाख हेक्टेयर से घटकर 192.14 लाख हेक्टेयर रह गया। मंत्रालय ने अनुमान लगाया है कि धान के रकबे में गिरावट के कारण, फसल वर्ष 2022-23 (जुलाई-जून) के खरीफ सत्र के दौरान चावल का उत्पादन छह प्रतिशत घटकर 10 करोड़ 49.9 लाख टन रह सकता है। चावल के उत्पादन में संभावित गिरावट ने सरकार को 9 सितंबर से टूटे चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने और गैर-बासमती और बिना उबले चावल पर 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाने के लिए प्रेरित किया है। वैश्विक चावल व्यापार में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले भारत ने पिछले वर्ष के एक करोड़ 77.8 लाख टन के मुकाबले वर्ष 2021-22 में दो करोड़ 12.3 लाख टन चावल का निर्यात किया था।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में लगभग दो सप्ताह से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमत में शनिवार को भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। कच्चे तेल की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे चल रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लंदन ब्रेंट क्रूड 85.14 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड भी 1.83 प्रतिशत के दबाव से 79.74 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। घरेलू स्तर पर तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी कोई बदलाव नहीं हुआ। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर है। देश में पिछले चार महीने से ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल के 106.31 रुपए प्रति लीटर और और डीजल की कीमत 94.27 रुपए प्रति लीटर है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है। देश के चार बड़े महानगरों में शे निवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार है- नई दिल्ली पेट्रोल 96.72 रुपए प्रति लीटर, डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर, डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर और चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपए प्रति लीटर, डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर है।

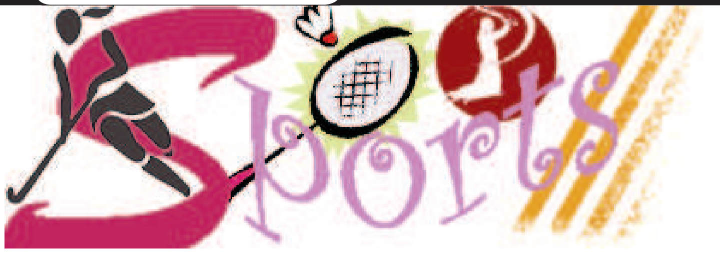

विश्वकप में गोल बचाने के साथ ही आक्रामक रुख अपनाएगी भारतीय टीम नीलकांत

नई दिल्ली । भारतीय हॉकी टीम के मिडफील्डर नीलकांत शर्मा ने कहा कि अगले साल होने वाले विश्वकप में उनकी टीम आक्रामक रुख अपनाने की रणनीति अपनाएगी जिससे विरोधी टीमों पर दबाव बनाया जा सके। नीलकांत के अनुसार इसके साथ ही प्रयास रहेगा कि टीम की रक्षापंक्ति किसी भी हमले को बेहतर प्रकार से रोके जिससे की गोल का बचाव भी किया जा सके। भारतीय टीम बर्मिंघम राष्ट्रमण्डल खेलों में अपने गोल का बचाव नहीं कर पायी थी इससे उसे फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों सात गोल से बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। इस दौरान देखा गया कि भारतीय टीम अपने गोल कर बचाव नहीं कर पायी। .नीलकांत ने कहा,'' हम अभ्यास शिविर शुरू होने के बाद से ही राष्ट्रमण्डल खेलों के अपने मैचों के वीडियो देख रहे हैं और हम यह तय किया है कि हम भविष्य में शुरूआत में गोल न होने दें क्योंकि इससे विरोधी टीम को हावी होने का अवसर मिल जाता है। '' उन्होंने कहा, ''यदि हम अच्छी शुरुआत करते हैं तो फिर पूरे मैच में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।'' विश्वकप में भारत को इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स के साथ ग्रुप डी में रखा गया है। भारतीय टीम अपना पहला मैच 13 जनवरी को राउरकेला में स्पेन के खिलाफ खेलेगी। नीलकांत ने कहा, ''विश्वकप के ग्रुप चरण में हमें कुछ तगड़ी टीमों का सामना करना पड़ेगा और ऐसे में अच्छी शुरुआत बेहद अहम रहेगी।''

Women's Asia Cup 2022

भारत ने श्रीलंका को 41 रन से हराया

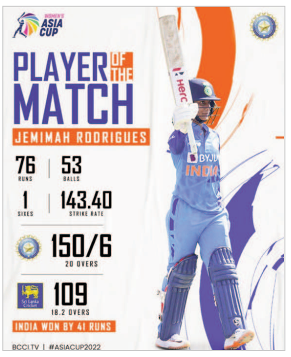

(एजेंसी)

जेमिमा रॉड्रिग्स की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में करियर की सर्वश्रेष्ठ 76 रन की पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से

जेमिमा की करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी

भारत ने शनिवार के यहां महिला एशिया कप के शुरूआती मैच में श्रीलंका के खिलाफ 41 रन से जीत दर्ज की। जेमिमा ने 53 गेंद की अपनी पारी के दौरान 11 चौके और एक छक्का जड़ा जिससे भारत ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद 6 विकेट पर 150 रन का स्कोर बनाया। विकेट पर कम उछाल के कारण बल्लेबाजों को रन बनाने में दिक्कत हो रही थी। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट झटककर श्रीलंका को 18.2 ओवर में 109 रन के अंदर समेट दिया। भारतीय खिलाड़ियों ने सभी तीनों विभागों में श्रीलंकाई टीम से काफी बेहतर प्रदर्शन दिखाया, हालांकि बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद उनकी शुरूआत अच्छी नहीं रही। उप कप्तान स्मृति मंधाना (10 रन) आउट होने वाली पहली खिलाड़ी रहीं जबकि उनकी साथी सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (06 रन) की समस्या कायम रही और वह स्पिनर ओशादी राणासिंघे (32 रन देकर तीन विकेट) का पहला शिकार बनी। कलाई की चोट से वापसी कर रहीं जेमिमा शुरू से ही नियंत्रण बनाये थीं और उन्होंने खूबसूरती से बेहतरीन टाइमिंग से रन जुटाये। वह प्रत्येक ओवर में गेंद को सीमारेखा के पार कराती रहीं और उन्होंने श्रीलंकाई बल्लेबाजी आक्रमण के खिलाफ मैदान के चारों ओर रन बटोरे। जेमिमा ने 38 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया और कप्तान हरमनप्रीत कौर (30 गेंद में 33 रन) के साथ मिलकर भारत को 100 रन के पार पहुंचाया। इन दोनों ने 71 गेंद में 92 रन बनाये। हरमनप्रीत भी खतरनाक दिख रही थीं जिन्हें 15 ओवर में जीवनदान मिला जब सुगंधिका कुमारी (26 रन देकर एक विकेट) ने उनका कैच छोड़ दिया। हालांकि यह भारतीय इसका फायदा नहीं उठा सकीं और अगले ओवर में राणासिंघे ने उन्हें स्टंप आउट कराया। श्रीलंकाई गेंदबाजों ने अंतिम ओवरों में वापसी करते हुए कई विकेट निकाले। जेमिमा तेजी से रन जुटा रही थीं और वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर के अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ 72 रन के स्कोर को पीछे छोड़ने में सफल रहीं। पर उनकी शानदार पारी चामरी अटापट्टू (8 रन देकर 1 विकेट) की धीमी और नीची गेंद पर खत्म हुई। दयालन हेमलता ने फिर अंत में नाबाद 13 रन बनाये जबकि ऋचा घोष (09) ने एक छक्का जड़ा। श्रीलंकाई स्पिनरों ने राणासिंघे की अगुआई में अच्छा प्रदर्शन किया।

हॉकी इंडिया ने एफआईएच प्रो लीग मैचों के लिये 33 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की

बेंगलुरू। (एजेंसी)

हॉकी इंडिया ने 28 अक्टूबर से शुरू होने वाले एफआईएच प्रो लीग सत्र के शुरूआती मैचों के लिये शनिवार को 33 सदस्यीय पुरूष कोर संभावित खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की, जिसमें कप्तान मनप्रीत सिंह और अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश शामिल हैं। भुवनेश्वर में कलिंग स्टेडियम में न्यूजीलैंड (28 अक्टूबर और चार नवंबर) और स्पेन (30 अक्टूबर और छह नवंबर) के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग मैचों से पहले राष्ट्रीय शिविर के लिये खिलाड़ी सोमवार को बेंगलुरू में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र पहुंचेंगे। मुख्य कोच ग्राहम रीड ने शिविर के बारे में कहा, 'भुवनेश्वर-राउरकेला में एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरूष विश्व कप 2023 से पहले हमें किन क्षेत्रों में काम करने की जरूरत है, इसके बारे में हमें एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2022-23 में खेलने के बाद पता चलेगा।'

संभावित खिलाड़ी :

गोलकीपर : पीआर श्रीजेश, कृष्ण बी पाठक, पवन डिफेंडर : जर्मनप्रीत सिंह, सुरेंद्र कुमार, हरमनप्रीत सिंह, नीलाम संजीप जेस, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, मंदीप मोर, यशदीप सिवाच, दिप्सन टिर्की, संजय, मंजीत, सुमित मिडफील्डर : मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइंगथेम रविचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलकांत शर्मा, राजकुमार पाल, पवन राजभर फॉरवर्ड : आकाशदीप सिंह, गुरजंत सिंह, मनिंदर सिंह, मोहम्मद रहील मौसीन, एस कार्ति, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह।

नोवाक जोकोविच ने वासेक को मात देकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

स्पोर्ट्स डेस्क-

सार्बिया के नोवाक जोकोविच ने शुक्रवार को एक कड़े मुकाबले में कनाडा के वासेक पोस्पिसिल के खिलाफ 7-6(5), 6-3 से जीत दर्ज कर तेल अवीव वाटरजेन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। कनाडा के पोस्पिसिल ने दुनिया के नम्बर एक खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी हालांकि जोकोविच के अनुभव के आगे उन्हें नतमस्तक होना पड़ा। इस जीत के साथ जोकोविच ने अपनी एटीपी हेड2हेड श्रृंखला में 6-0 से सुधार किया है, उन्होंने अब तक खेले गए सभी 13 सेट जीते हैं। मैच के बाद सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा, ''वासेक टूर पर मेरे सबसे अच्छे दोस्तों में से एक है। हम एक दूसरे को कई सालों से जानते हैं। किसी ऐसे व्यक्ति के साथ खेलना कभी आसान नहीं होता जिसका आप बहुत सम्मान करते हैं और जिसे आप बहुत पसंद करते हैं, लेकिन हम दोनों पेशेवर हैं और मैच जीतना चाहते थे। आप इसे देख सकते हैं। मुझे लगता है कि टेनिस का स्तर वास्तव में ऊंचा था। खासकर पहले सेट और दूसरे सेट के अंत में। लड़ने का श्रेय उन्हीं को जाता है। उसकी फिर से वापसी देखकर अच्छा लगा।'' रोम और विंबलडन में मिली जीत से उत्साहित 35 वर्षीय जोकोविच को तीसरे टूर-स्तरीय खिताब की तलाश हैं। मौजूदा विंबलडन चैंपियन जोकोविच, एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में 15वें स्थान पर काबिज हैं।

टी20 विश्व कप से पहले वेस्टइंडीज बल्लेबाज ने रनों की बारिश कर 5 वर्ष बाद टीम को बनाया चैम्पियन

नई दिल्ली। (एजेंसी)

क्रिकेट के रोमांच टी20 विश्व कप के लिए वेस्टइंडीज की टीम में चुने गए ब्रैंडन किंग का बल्ला ऐसा बोला कि उसे जमैका तल्लावाह कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल2022) का चैम्पियन बना दिया। जमैका की टीम ने 2016 के बाद पहली बार खिताब जीता है। ओवरऑल यह टीम का तीसरा खिताब है। जमैका की जीत के हीरो किंग रहे। उन्होंने 50 गेंद में 83 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने इस पारी में 13 चौके और 2 छक्के जड़े। यानी 83 में से 64 रन तो सिर्फ बाउंड्री से बनाए। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 161 रन बनाए थे। जवाब में जमैका तल्लावाह ने 16.1 ओवर में 2 विकेट पर जीत का लक्ष्य हासिल कर लिया। जमैका तल्लावाह को फाइनल मुकाबले से पहले ही बड़ा झटका लग गया था। सीपीएल के इस सीजन में पावरप्ले में सबसे अधिक 9 विकेट लेने वाले पाकिस्तानी पेसर मोहम्मद आमिर ग्रोइन इंजरी के कारण इस मुकाबले से बाहर हो गए थे। उन्हें यह चोट दूसरे क्वालिफायर के दौरान लगी थी। उनके रिप्लेसमेंट के रूप में प्रिटोरियस को फाइनल में मौका मिला। लेकिन, प्रिटोरियस ने पावरप्ले के अपने 2 ओवर में 24 रन दिए और फिर एक कैच लपकने के चक्कर में चोटिल हो गए। हालांकि, अपना पहला सीजन खेल रहे निकोलस गॉर्डन ने अच्छी गेंदबाजी की और 4 ओवर में 33 रन देकर 3 विकेट लिए। इस मैच में बारबाडोस रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी की थी। रहकीम कॉर्नवाल और कप्तान काइल मेयर्स ने रॉयल्स को तूफानी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावरप्ले के 6 ओवर में 63 रन ठोके। इसी स्कोर पर बाएं हाथ के स्पिनर फेबियन ऐलन ने कॉर्नवाल (36) को आउट कर इस जोड़ी को तोड़ा। जल्द ही ऐलन ने मेयर्स को भी आउट कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर मोईन खान के बेटे आजम ने रॉयल्स की पारी को संभाला और 40 गेंद में 51 रन की पारी खेल टीम को 61 रन के स्कोर तक पहुंचाया। बारबाडोस ने जहां अच्छी शुरुआत की थी, वहीं 162 रन के स्कोर का पीछा करते हुए जमैका तल्लावाह को पहला झटका जल्दी लग गया। पहले ही ओवर में केनार लुइस आउट हो गए। इसके बाद ब्रैंडन किंग और शैमराह ब्रुक्स ने पारी संभाली और जमैका तल्लावाह के स्कोर को 87 रन तक पहुंचाया। 11वें ओवर में ब्रुक्स (47) पवेलियन लौट गए, मगर किंग आखिरी तक क्रीज पर टिके रहे और टीम को जीत दिलाकर नाबाद लौटे। इससे पहले, जमैका तल्लावाह ने 2013 और 2016 में खिताब जीता था। 422 रन बनाने वाले ब्रैंडन किंग प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे।

संक्षिप्त समाचार

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सही प्रदर्शन कर रही भारतीय महिला हॉकी टीम : वंदना कटारिया

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की स्टार स्ट्राइकर वंदना कटारिया का मानना है की टीम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सही प्रदर्शन कर रही है। खिलाड़ियों का ध्यान लक्ष्य तय करने और उन्हें हासिल करने में लगा है। भारत की तरफ से 250 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली वंदना ने कहा की विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के कारण अब विश्व में भारतीय महिला हॉकी को पहचान मिलने लगी है। भारतीय टीम में सुधार का सबूत अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ स्टार अवार्ड्स के लिए कई खिलाड़ियों का नामांकन है। भारतीय कप्तान सविता को जहां वर्ष की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के लिए नामित किया गया है, वहीं मुमताज खान को वर्ष की उदीयमान स्टार और मुख्य कोच यानिक शॉपमैन को वर्ष के कोच पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। वंदना ने एक बयान में कहा, मेरा मानना है कि हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। तीन या चार साल पहले टीम बमुश्किल किसी पुरस्कार के लिए नामित हो पाती थी। क्योंकि हमारा प्रदर्शन स्तरीय नहीं था, लेकिन अब हम अंतरराष्ट्रीय हॉकी में सही प्रगति कर रहे हैं और हमारे प्रदर्शन को पहचान मिल रही है। इस तरह की पहचान मिलने से बहुत अच्छा लगता है जिससे पता चलता है कि हमारा प्रदर्शन दुनिया की शीर्ष टीम के बराबरी पर है, लेकिन अभी हमें पांव जमीन पर रखकर अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखना चाहिए।

ऑस्ट्रेलियाई मैदानों पर से लंबी बाउंड्री का फायदा गेंदबाजों को मिलेगा : हेजलवुड

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के अनुसार हमारे मैदानों की लंबी बाउंड्री और तेज पिचों का लाभ गेंदबाजों को मिलेगा। हेजलवुड ने कहा, 'यह देखने के लिए टी20 एक शानदार परीक्षा होगी थी कि हम कहां हैं। कई खिलाड़ियों को खेल में सबसे अच्छे आक्रामक बल्लेबाजों के खिलाफ सबसे छोटी बाउंड्रियों पर अंत में गेंदबाजी करने का मौका मिला। इससे उन्हें नुकसान हुआ। उन्होंने साथ ही कहा, 'हम हमेशा बेहतर करने के बारे में सोच रहे हैं, क्योंकि आप निश्चित समय पर कौन से क्षेत्र चाहते हैं, आप कौन सी गेंद फेंक रहे हैं, आप इसे कैसे ढाल रहे हैं। यह सब आप पर आधारित रहता है।' इस तेज गेंदबाज ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया में टी20 गेंदबाजों के लिए कई मामलों में बेहतर अवसर हैं। हमारे मैदान बड़े हैं, तेज विकेटों और बड़ी बाउंड्री के जरिये गेंदबाज बल्लेबाजों पर दबाव बना सकते हैं।'

टीम की योजना का हिस्सा नहीं था चार्ली डीन को रन आउट करना, लेकिन यह खेल नियमों के विरुद्ध नहीं : हरमनप्रीत कौर

सिलहट । (एजेंसी)

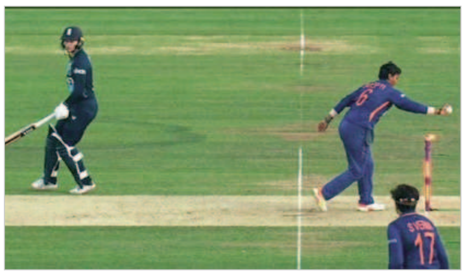

महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में चार्ली डीन को रन आउट करना भारतीय टीम की योजना का हिस्सा नहीं था, लेकिन यह खेल के नियमों के तहत था। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इंग्लैंड की बल्लेबाज चार्ली डीन को गेंद फेंकने से पहले क्रीज से बाहर निकल जाने पर रन आउट कर दिया था। इस तरह से रन आउट करना वैध माना जाता है, लेकिन इसे खेल भावना नहीं माना जाता। महिला एशिया कप से पहले हरमनप्रीत ने दीप्ति शर्मा का समर्थन करते हुए कहा कि अब इस विवाद को पीछे छोड़ने का समय है। उन्होंने कहा हम पिछले कुछ मैचों से इन बातों पर ध्यान दे रहे थे। वह क्रीज से काफी आगे निकल जा रही थी और अनुचित लाभ उठा रही थी, यह दीप्ति की जागरुकता थी कि उसने रन आउट किया। भारतीय कप्तान ने कहा यह योजना का हिस्सा नहीं था लेकिन हर कोई वहां मैच जीतने के लिए खेल रहा था। जब भी आप मैदान पर होते हैं तो आप किसी भी कीमत पर जीतना चाहते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस तरह से आउट करना नियमों के तहत था। हमें इसे पीछे छोड़कर आगे बढ़ना होगा। बता दें कि इससे पहले झूलन गोस्वामी ने कहा था कि उन्हें यकीन नहीं है कि लॉर्ड्स में भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे वनडे मैच के दौरान दीप्ति शर्मा ने चार्ली डीन को नॉन-स्ट्राइकर एंड पर रन आउट करने से पहले चेतावनी दी थी या नहीं। उन्होंने कहा था, मुझे ऐसा लगता है, मुझे यकीन नहीं है। मुझे इसकी जानकारी नहीं थी, क्योंकि मैं शॉर्ट थर्ड पर खड़ी थी, जो कि मेरी तरफ से काफी दूर है, और अंपायर और कप्तान के बीच क्या बातचीत चल रही थी, मुझे 100 प्रतिशत पता नहीं था, लेकिन दीप्ति ने जो कुछ भी किया है वह गलत नहीं है। हमने कानून के तहत सब कुछ किया है। एमसीसी ने यह भी स्पष्ट किया कि, क्योंकि गेंद से पहले किसी का शुरुआत करना क्रिकेट में कानूनी नहीं है, इसलिए मुझे नहीं लगता कि इसमें कुछ भी गलत है।

फिनिशिंग कौशल पर देना होगा ध्यान : हरमनप्रीत

बेंगलुरू । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि टीम को प्रो लीग के लिए अपने गोल करने के प्रयासो (फिनिशिंग) कौशल को बेहतर बनाना होगा। हरमनप्रीत ने कहा, ' अभ्यास सत्र में हमारा ध्यान हमेशा ही अपनी फिनिशिंग में सुधार और खिलाड़ियों के बीच समन्वय तथा संयोजन में सुधार पर रहेगा है।' इस बात पर भी हमें ध्यान रखना होगा कि किस प्रकार बचाव करते हुए आक्रमण की ओर जाना हैं क्योंकि हमारे लिए हर मैच महत्वपूर्ण है। हमारा लक्ष्य हमेशा प्रत्येक मैच जीतना रहा है। विश्व कप से पहले हमारे पास ज्यादा समय नहीं बचा है। इसलिए टूर्नामेंट से पहले हमें जितने अधिक मैच खेलने को मिलेंगे उतना ही अधिक हमारे लिए लाभदायक रहेगा। विश्व कप अगले साल भारत में ही खेला जाएगा। गौरतलब है कि एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए पूल ड्रॉ आठ सितंबर को निकलेगा। हरमनप्रीत ने कहा कि टीम अपनी राह में आने वाली किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, 'हम विश्व कप ड्रॉ पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे हैं। हमें उसके पहले अधिक से अधिक मैच खेलकर अपना प्रदर्शन बनाना है। जिससे हम किसी भी टीम के खिलाफ आसानी से खेल सकें।

मनिका का निराशाजनक प्रदर्शन, जर्मनी से हारी भारतीय महिला टीम

नई दिल्ली। श्रीजा अकुला और दीया चितले ने शानदार जीत दर्ज की, लेकिन स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा अपने दोनों मैच हार गई जिससे भारतीय महिला टीम को शनिवार को यहां आईटीटीएफ विश्व टीम चैंपियनशिप के पहले मैच में जर्मनी से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय पुरुष टीम ने हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया और ग्रुप दो के शुरुआती मुकाबले में उज्बेकिस्तान को 3-0 से हराया। राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता और विश्व में 44वें नंबर की बत्रा दुनिया की आठवें नंबर की यिंग हान के सामने नहीं टिक पाई। जर्मन खिलाड़ी ने भारतीय खिलाड़ी को 3-0 (11-3 11-1 11-2) से हराकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। विश्व की 77वें नंबर की श्रीजा ने इसके बाद अपने से अधिक रैंकिंग की नीना मित्तलहम को 3-0 (11-9 12-10 11-7) से हराकर भारत को वापसी दिलाई। इसके बाद विश्व में 122वें स्थान की दीया ने सबाइन विंटर पर कड़े मुकाबले में 3-1 (11-9 8-11 11-6 13-11) से जीत दर्ज करके भारत को बढ़त दिला दी। एशियाई खेलों की पदक विजेता बत्रा ने अपने दूसरे मैच में दमदार शुरुआत की, लेकिन वह पहला गेम जीतने के बावजूद दुनिया की 14वें नंबर की खिलाड़ी मित्तलहम से 1-3 (11-7 6-11 7-11 8-11) से हार गई जिससे मुकाबला 2-2 से बराबर हो गया। श्रीजा निर्णायक मैच में यिंग से 0-3 (3-11 5-11 4-11) हार गई। भारतीय महिला टीम ग्रुप पांच में तीसरे स्थान पर है। इससे पहले भारतीय पुरुष टीम ने उज्बेकिस्तान के खिलाफ आसान जीत दर्ज की। हरमीत देसाई ने एल्मुरोड खोलिकोव को 3-0 (11-9 11-9 11-1) से, जी साथियान ने अब्दुलअज़ीज़ एनोरबोएव को 3-0 (11-3 11-6 11-9) और मानव ठक्कर ने शोखरुख इस्कंदर को 3-0 (11-8 11-5 11-5) से हराया। इस जीत से भारत ग्रुप दो में जर्मनी और फ्रांस के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। भारतीय पुरुष टीम का अगला मुकाबला जर्मनी से जबकि महिला टीम का चेक गणराज्य से होगा।

टी20 विश्व कप के लिए 6 अक्टूबर को भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया की उड़ान भरेगी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम इन दिनों दक्षिण अफ्रीका से तीन टी20 की श्रंखला खेल रही है। इसका अंतिम मुकाबला 4 अक्टूबर को इंदौर में खेला जाएगा। इस मैच के 2 दिन यानी 6 अक्टूबर को भारतीय टीम टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की उड़ान भरेगी। रोहित शर्मा की नेतृत्व वाली भारतीय टीम 13 अक्टूबर तक पर्थ में ट्रेनिंग करेगी। यहां वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की टीम से भारतीय टीम अभ्यास मैच भी खेलेगी। इसके बाद वे टूर्नामेंट से ठीक पहले ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ दो और प्रैक्टिस मैच खेलेंगे। इसका मतलब यह है कि चयनकर्ता दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 6 से 11 अक्टूबर के बीच होने वाले तीन वनडे की सीरीज के लिए शिखर धवन की अगुवाई में युवा खिलाड़ियों को मौका देंगे।

विश्व कप टीम के चार सदस्य- सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, अर्शदीप सिंह और हर्षल पटेल- ऑस्ट्रेलिया में पहले नहीं खेले हैं, जबकि पांचवें सदस्य दिनेश कार्तिक ने ऑस्ट्रेलिया में केवल एक मैच खेला है। उन्होंने 15 साल पहले मेलबर्न में एक टी20 खेला था। ऐसे में टीम इंडिया के जल्दी ऑस्ट्रेलिया जाने के कारण इन खिलाड़ियों को कंडीशंस को बेहतर समझने और उससे तालमेल बैठाने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। पर्थ में टीम इंडिया का कैंप लगेगा। इससे दो रिजर्व खिलाड़ियों रवि बिश्नोई और दीपक चाहर को भी फायदा होगा, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में कभी नहीं खेला है। उन्हें जल्दी से परिस्थितियों के अनुकूल होने और मैच के लिए तैयार रहना होगा क्योंकि ज़रूरत पड़ने पर उन्हें बुलाया जा सकता है। भारतीय टीम चोटिल हुड्डा और जसप्रीत बुमराह के फिट होने का इंतजार कर रही है। दोनों ही खिलाड़ी इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपनी पीठ की चोट से उबर रहे हैं। जहां हुड्डा पूरी साउथ अफ़्रीका सीरीज़ से बाहर हो गए थे, वहीं बुमराह पीठ दर्द की शिकायत के बाद सीरीज का पहला मैच नहीं खेल पाए थे और फिर पूरी सीरीज से बाहर हो गए थे। हालांकि, बुमराह को विश्व कप से पूरी तरह से बाहर नहीं किया गया है, लेकिन उनके खेलने पर काफ़ी संदेह है।

अगर हुड्डा और बुमराह दोनों चोटिल होने पर बाहर होते हैं, तो संभावना है कि दीपक चाहर और मोहम्मद शमी को मुख्य स्क्वॉड से जोड़ा जाएगा। भारत टी20 विश्व कप के ग्रुप-2 में है। इस ग्रुप में पाकिस्तान, बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका के अलावा दो क्वालिफायर टीमें भी रहेंगी। भारत का पहला मैच 23 अक्टूबर को पाकिस्तान से होगा। यह मुकाबला मेलबर्न में खेला जाएगा। दूसरा मैच 27 अक्टूबर (क्वालिफायर के खिलाफ सिडनी में), 30 अक्टूबर (विरुद्ध दक्षिण अफ्रीका), 2 नवंबर (विरुद्ध बांग्लादेश, एडिलेड) और 6 नवंबर (विरुद्ध क्वालिफायर)

बुमराह की अनुपस्थिति में टी20 वर्ल्डकप में शमी को मिल सकता है खेलने का मौका

नई दिल्ली । मोहम्मद शमी टी20 वर्ल्ड कप में खेलने का मौका मिल सकता है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के चोटिल होने के बाद शमी के खेलने की संभावना बढ़ गई है। शमी को पिछले दिनों दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए चुना गया था। लेकिन वे कोरोना पॉजिटिव होने के कारण सीरीज में नहीं उतर सके। अब वे कोरोना से पूरी तरह उबर चुके हैं। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 6 अक्टूबर से होने वाली 3 मैचों की वनडे सीरीज में मौका मिल सकता है। इसके बाद वे ऑस्ट्रेलिया में होने वाले वर्ल्ड कप के लिए उड़ान भर सकते हैं। मोहम्मद शमी को टी20 वर्ल्ड कप के लिए बतौर रिजर्व खिलाड़ी शामिल किया गया है। वे कोरोना से ठीक हो रहे हैं। ऐसे में उनकी तैयारी को परखने के लिए साउथ अफ्रीका के खिलाफ 3 वनडे में उन्हें मौका दिया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक, टीम इंडिया युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक और कुलदीप सेन को बतौर नेट बॉलर अपने साथ ऑस्ट्रेलिया ले जा सकती है। मालूम हो कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बचे 2 टी20 मैच के लिए बुमराह की जगह मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया गया है। भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है। आईपीएल 2022 में मोहम्मद शमी ने चैंपियन गुजरात टाइटंस की ओर से बेहतरीन गेंदबाजी की थी। उन्होंने 16 मैच में 25 की औसत से 20 विकेट झटके थे। 25 रन देकर 3 विकेट बेस्ट प्रदर्शन रहा था। इकोनॉमी 8 की रही थी। वह ओवरऑल आईपीएल के 93 मैच में 99 विकेट झटके चुके हैं। 32 साल के शमी के पास गति अच्छी है। ऐसे में वे ऑस्ट्रेलिया की पिच पर टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं।

5जी तकनीक के आने से मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आएंगे बड़े बदलाव: मुख्यमंत्री

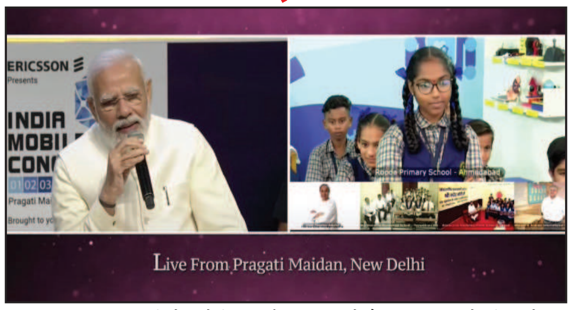

अहमदाबाद । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नई दिल्ली से 5जी सेवाओं की लॉन्चिंग और भारतीय मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) के छठे संस्करण के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल शनिवार को अहमदाबाद जिले के रोपड़ा गांव से सहभागी हुए। प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी संदेश का नई दिल्ली से सीधा प्रसारण तथा स्कूली बच्चों के साथ वर्चुअल संवाद का कार्यक्रम देश के अन्य राज्यों के साथ गुजरात में भी आयोजित हुआ। इसके अंतर्गत मुख्यमंत्री दस्क्रोई तहसील के रोपड़ा गांव के प्राथमिक स्कूल पहुंचे और नई दिल्ली से प्रधानमंत्री द्वारा 5जी सेवाओं के लॉन्चिंग समारोह से जुड़े। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर रोपड़ा स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि आज से भारत में डिजिटल क्रांति का एक नया अध्याय शुरू हुआ है। 5जी की मदद से औद्योगिक क्षेत्र सहित शिक्षा, पर्यावरण और स्वास्थ्य जैसे अनेक क्षेत्रों में कई तरह के कार्य अब तेज और ज्यादा आसान हो जाएंगे इतना ही नहीं, 5जी टेक्नोलॉजी के आने से मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बड़ा बदलाव आएगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश को समर्पित की गई टेलीम्यूनिकेशन-संचार की 5जी तकनीक उद्योगों में ऑटोमेशन यानी स्वचालन को बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि 5जी तकनीक के हाई परफॉर्मेंस और हाई स्पीड के कारण नए उद्योग भी विकसित होंगे। रोजगार और प्रशिक्षण के नए क्षेत्रों के उभरने के साथ ही विकास के नए द्वार भी खुलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगों के अलावा हेल्थकेयर के क्षेत्र में 5जी सेवाओं से सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा का ढांचा और अधिक व्यापक एवं सुदृढ़ बनेगा। शिक्षा क्षेत्र में 5जी से होने वाले लाभ के संबंध में उन्होंने कहा कि 5जी की मदद से अध्यापक वर्चुअल तरीके से उपस्थित रहकर विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार के दीक्षा, जी-शाला, ई-क्लास और विद्या समीक्षा केंद्र जैसे अनेक शैक्षणिक प्रकल्प भी इस तकनीक की सहायता से ज्यादा प्रभावी और सक्षम बन सकेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में डिजिटल इकोसिस्टम विकसित करने में मिली मदद का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री देश में आने वाली इस संचार क्रांति के प्रणेता हैं। उन्होंने कहा कि मोबाइल फोन और इंटरनेट से सरकारी सेवाएं उंगलियों की नोक पर उपलब्ध हुई हैं। इसी तरह, डिजिटल लेनदेन, यूपीआई, ऑनलाइन बुकिंग और फूड डिलीवरी ऐप जैसी अनेक महत्वपूर्ण चीजें डिजिटल टेक्नोलॉजी के चलते ही संभव बनी हैं। उन्होंने कहा कि यदि 4जी से यह बदलाव संभव हुआ है, तो अब जो 5जी टेक्नोलॉजी आएगी और उसके अनेक प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी फायदे होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि एक अनुमान के मुताबिक 5जी की शुरुआत के बाद आगामी तीन वर्षों में देश में डेटा की खपत में दोगुनी बढ़ोतरी होगी। मुख्यमंत्री ने इस टेक्नोलॉजी के फायदों का जिक्र करते हुए कहा कि किसान 5जी और ड्रोन की सहायता से कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव भी आसानी से कर सकेंगे। 5जी टेक्नोलॉजी प्रति सेकंड 6जीबी की स्पीड देती है, इंटरनेट अब एक सहज और सस्ती इनटेंजिबल कमोडिटी (अमूर्त वस्तु) बन जाएगा। दूरसंचार विभाग के महाप्रबंधक गुंजन दवे ने 5जी सेवाओं से होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने रोपड़ा प्राथमिक स्कूल के कक्षा 8 में पढ़ने वाले जैमिनी ठाकोर और हार्दिक ठाकोर के साथ संवाद किया।

गुजरात के चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ेंगे : चिराग पासवान

अहमदाबाद।

लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी-रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने आज अहमदाबाद में कहा कि उनकी पार्टी गुजरात विधानसभा के आगामी चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। साथ ही यह भी कहा कि फिलहाल राज्य में गठबंधन की बातचीत चल रही है। गुजरात विधानसभा के 2022 के चुनाव को लेकर भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी समेत अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं के गुजरात दौरे बढ़ गए हैं। आज एलजीपी-रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान गुजरात दौरे पर पहुंचे। अहमदाबाद एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में मौजूद एलजीपी समर्थकों को चिराग पासवान का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में चिराग पासवान ने कहा कि आगामी चुनाव को लेकर मैं गुजरात आया हूं और हमारी पार्टी राज्य विधानसभा के चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। पार्टी के प्रदेश इकाई जल्द ही अपनी रिपोर्ट संसदीय बोर्ड को देगी, जिसके आधार पर आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल मैं विधानसभा चुनाव को लेकर अहमदाबाद आया हूं और इसके बाद गोधरा जाऊंगा। आगामी 10 दिन के भीतर राजकोट में हमारी पार्टी कार्यक्रम करेगी। चिराग ने कहा कि गुजरात में क्षेत्रीय पार्टियों के साथ गठबंधन को लेकर बातचीत चल रही है, हांलाकि फिलहाल इस बारे में कोई फैसला नहीं किया गया। लेकिन यह तय है कि उनकी पार्टी गुजरात विधानसभा के चुनाव लड़ेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि गुजरात में भाजपा के साथ गठबंधन को लेकर कोई बातचीत नहीं की गई।

जियो ने अहमदाबाद में किया 5जी इंटरनेट टेस्टिंग किया, स्पीड 886.92 एमबीपीएस

अहमदाबाद।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज देशभर में 5जी हाईस्पीड इंटरनेट सुविधा का शुभारंभ किया। हांलाकि फिलहाल देश के 13 शहरों में यह सुविधा उपलब्ध होगी। जिसमें गुजरात के अहमदाबाद, गांधीनगर और जामनगर शहर शामिल है। देश के इन 13 शहरों में सबसे पहले 5जी की सुविधा उपलब्ध होगी। अहमदाबाद के थलतेज क्षेत्र में जियो ने 5जी इंटरनेट का टेस्टिंग किया। जिसमें 886.92 एमबीपीएस की डाउनलोड और 55.23 एमबीपीएस की अपलोड स्पीड दर्ज हुई। गौरतलब है केन्द्रीय सूचना मंत्री अश्विनी वैष्णव पहले स्पष्ट कर चुके हैं कि देश में 5जी को धीरे धीरे अलग अलग चरणों में लॉन्च किया जाएगा। पहले चरण में 13 शहरों में सबसे पहले 5जी सेवा लॉन्च की जाएगी। जिसमें दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, बेंगालुरू, चंडीगढ़, चेन्नई, गांधीनगर, हैदराबाद, कोलकाता, जामनगर, लखनऊ, पूणे जैसे शहर शामिल हैं। अगले दो साल में देशभर में 5जी सेवा का तेजी से विस्तार किया जाएगा। 5जी सेवा के फायदे की बात करें तो इंटरनेट यूजर को अच्छी स्पीड मिलेगी, वीडियो गैमिंग में 5जी से बड़ा बदलाव होगा, वीडियो बफरिंग के बगैर स्ट्रीम होगा, इंटरनेट कॉलिंग बगैर किसी रुकावट के स्पष्ट सुने जा सकेंगे, 2जीबी की मूवी 10 से 20 सैकंड में डाउनलोड होगी, कृषि क्षेत्र में ड्रोन के उपयोग से खेतों की अच्छी तरह देखभाल हो सकेगी, मेट्रो और ड्राइवर समेत वाहनों को बेहतर तरीके से ऑपरेट किया जा सकेगा और वर्च्युअली रियालिटी व फैक्ट्री में रॉबोट के उपयोग में वृद्धि होगी।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने सितंबर में बिक्री में दहाई-अंकों में वृद्धि की

भारत में अपने सबसे बड़े वर्ष के दम पर, स्कोडा ऑटो इंडिया ने सितंबर 2022 के महीने में 3,543 वाहनों की बिक्री की। सितंबर 2021 में बेची गई 3,027 कारों की तुलना में, चेक गणराज्य की इस कार कंपनी ने उच्च स्थानीयकरण और उत्पाटदन के साथ वार्षिक आधार पर 17% की वृद्धि दर्ज की है।

स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक, पेट्र सॉल्क ने कहा, "हम भारत में स्को1डा के सबसे बड़े वर्ष की सफलता की गाथा को जारी रखते हुए पूरी तरह से खुश हैं। यह हमारी टीम और डीलर भागीदारों की कड़ी मेहनत का बेहतरीन परिणाम और सम्मा न है। कुशाक और स्लाटविया मॉडल्सा बाजार में सफलतापूर्वक स्थापपित हो चुके हैं और बिक्री की गति को जारी रखे हुए हैं। इसके अलावा, ऑक्टैसविया और सुपर्ब जैसे हमारे डी-सेगमेंट उत्पाद भी अपनी-अपनी श्रेणियों में अग्रणी हैं। हमारा ध्यान अब ग्राहकों की संतुष्टि को और बेहतर बनाने और पूरे भारत में अपने कस्टणमर टचप्वांइट्स की संख्यौ को तेजी से बढ़ाने पर है।''

दिसंबर 2021 में 175 टचप्वाइंट्स से, स्कोडा ऑटो इंडिया ने 205 से अधिक टचप्वोइंट्स तक अपनी पहुंच का विस्तार किया है। कंपनी का लक्ष्य 2022 के अंत तक 250 का आंकड़ा छूना है। कंपनी के लिए लगातार साल-दर-साल वृद्धि की प्रमुख वजह MQB-A0-IN प्लेटफॉर्म पर 95% स्थानीयकरण रहा है , जिस पर कुशाक एसयूवी और स्लाविया सेडान आधारित हैं। स्थानीय घटकों और उत्पादों के स्थानीय अनुसंधान और विकास ने स्वामित्व लागत को 0.46 रुपये प्रति किलोमीटर तक कम कर दिया है, जिसने नए खरीदारों को आकर्षित किया है और बिक्री में वृद्धि हुई है।

सिमेंट की आड में शराब तस्करी का पर्दाफाश, 46.92 लाख के माल-सामान समेत एक गिरफ्तार

बनासकांठा।

बनासकांठा एलसीबी ने सिमेंट की आड में शराब की तस्करी का पर्दाफाश करते हुए रु. 46.92 के माल-सामान समेत राजस्थान के एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार शख्स राजस्थान से ट्रेलर में सिमेंट की बोरियों के नीचे शराब छिपाकर अहमदाबाद ले जा रहा था। जानकारी के मुताबिक बनासकांठा एलसीबी को सूचना मिली थी कि राज-स्थान से एक शख्स टाटा कंपनी के सफेद ट्रेलर में सिमेंट की बोरियों के नीचे शराब छिपाकर डीसा-पालनपुर हाईवे से अहमदाबाद की ओर जा रहा है। सूचना के आधार पर एलसीबी ने डीसा-पालनपुर हाईवे पर रेलवे ब्रिज के निकट मोर्चा संभाल लिया। संबंधित ट्रेलर आते ही पुलिस ने उसे रोक लिया। ट्रेलर की तलाशी में सिमेंट की बोरियों के नीचे से शराब की ।।। पेटियां बरामद हुईं। पुलिस ने शराब समेत रु. 46.92 लाख का माल सामान जब्त कर लिया। साथ ही राजस्थान के जालोर निवासी मोहर्रम लोल को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की।

अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2022 के दौरान अमेजन फैशन एंड ब्यूटी के ट्रेंडी एथनिक लुक के साथ नवरात्रि पर बिखेरिए अपने जलवे

हवा में उत्सव और आनंद घुल चुका है, नवरात्रि की शुरूआत हो चुकी है। ऐसे में अब यह तय करने का समय आ गया है कि इस बार त्योहारों में आप क्या पहनना चाहते हैं और कैसे दिखना चाहते हैं। नवरात्रि भारत में सबसे शुभ त्योहारों में से एक है, इस दौरान नौ दिनों तक पूजा और गरबा नृत्य का आयोजन होता है। इस उत्सव की तैयारी का सबसे महत्वपूर्ण अंग अपनी डांसिंग स्किल को निखारना तो है ही, वहीं इसका सबसे रोमांचक पहलू त्योहार में जलवे बिखेरने के लिए अपने रोजाना के लुक को तय करना भी है।

अमेजन फैशन एंड ब्यूटी इस बार परिधानों, एक्सेसरीज, मेकअप और स्किनकेयर सहित कुछ सबसे पसंदीदा फेस्टिव फैशन और ब्यूटी सेलेक्शन पर 80 प्रतिशत तक की छूट के साथ उत्सव के माहौल की रंगत बढ़ा रहा है। यहां आप जनस्याद, बीबा, मैक्स, वैन ह्यूसेन, लावी, जीवा, ज़ावेरी पर्ल्स, शुगर कॉस्मेटिक्स और माई ग्लैम जैसे 1000 से अधिक टॉप फैशन एंड ब्यूटी ब्रांडों की ओर से पेश किए गए 9 लाख से अधिक स्टाइल के सबसे आधुनिक संग्रह की खरीदारी कर सकते हैं।

उत्सव के उत्साह को बढ़ाने और अपना खुद का स्टाइल स्टेटमेंट बनाने के लिए यहां कुछ सिफारिशें दी गई हैं, ये सिफारिशें आपको परफेक्ट लुक पाने में मदद करेंगी।

"टूथसी" ने राष्ट्रीय प्रतीक विराट कोहली और अनुष्का शर्मा को ब्रांड एंबेसडर के रूप में साइन किया

मुंबई । भारत के प्रमुख स्माइल मेकओवर ब्रांड टूथसी ने अनुष्का शर्मा और विराट कोहली को ब्रांड एंबेसडर के रूप में साइन किया है, ताकि नए युग के दांतों को सीधा करने वाले क्लियर एलाइनर्स को अपनाया जा सके। स्टार पावर कपल सभी प्रमुख बाजारों में यूजर्स/यूजर्स के साथ संबंध स्थापित करने के लिए ब्रांड के साथ काम करेगा।

जिन देशों में दांतों के गलत संरेखण और मुस्कान की समस्याओं को बहुत गंभीरता से नहीं लिया जाता है, वहां "टूथसी" ने इस मुद्दे को लोगों के ध्यान में लाने की जिम्मेदारी ली है। अनुष्का और विराट हमेशा से स्वास्थ्य और आत्मविश्वास के प्रबल समर्थक रहे हैं जो टूथसी के मिशन के अनुरूप है और उसका समर्थन करता है। कंपनी स्पष्ट संरेखण के रूप में एक आधुनिक, प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान प्रदान करती है जो कि विवेकपूर्ण हैं और छह से आठ महीनों में दांतों को सीधा करने के लिए घर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, ग्राहक स्कैन बुक कर सकते हैं, अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और यहां तक कि ब्रांड के ऐप के माध्यम से उपचार/उपचार की प्रगति की निगरानी भी कर सकते हैं।

टूथसी के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. अर्पी मेहता शाह ने कहा, "प्रतिभाशाली जोड़ी विराट और अनुष्का ने एक युवापन और आत्मविश्वास का परिचय दिया है जिसे हमारे संभावित दर्शक आसानी से पहचान लेंगे। उद्यमी और असाधारण रूप से प्रतिभाशाली, अनुष्का और विराट की खूबसूरत मुस्कान और उत्साही व्यक्तित्व हमारे ब्रांड में पूरी तरह फिट बैठते हैं। एक दूसरे के सहयोग से हम ब्रांड को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाएंगे और दांतों को सीधा करने के समाधानों के बारे में युवाओं में जागरूकता पैदा करेंगे।"

बॉलीवुड की अग्रणी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने कहा, "हमने टूथसी के साथ मिलकर काम किया है क्योंकि यह (टूथसी) उन लोगों के लिए एक आसान और सुलभ समाधान प्रदान करता है जो अपनी मुस्कान बदलना चाहते हैं।" इंटरनेशनल स्पोर्ट्स आइडल विराट कोहली ने कहा, "मेरे लिए न केवल क्रिकेट के खेल में बल्कि मेरे जीवन के सभी क्षेत्रों में सफल होने के लिए विश्वास और विश्वसनीयता महत्वपूर्ण है। "टूथसी" उन लोगों के लिए भी एक भरोसेमंद ब्रांड साबित हुआ है जो मुस्कान बदलाव की तलाश में हैं और हम सभी के लिए किफायती मुस्कान मेकओवर को सक्षम करने के उनके शानदार मिशन में ब्रांड और उनके साथ साझेदारी करके खुश हैं।"

अनुष्का और विराट को ब्रांड एंबेसडर के रूप में शामिल करने के साथ, कंपनी ने मेकओ लॉन्च करने के लिए टूथसी और स्किनी ब्रांडों के विलय की भी घोषणा की, जो भारत में अपनी तरह की पहली घरेलू मुस्कान और त्वचा बदलाव सेवा है।

मेकओ अपने ग्राहकों को प्रौद्योगिकी और वैज्ञानिक दंत चिकित्सा और त्वचा देखभाल समाधान प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इसके साथ ही यह उन उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग को पूरा करेगा जो उचित आय, आत्म-देखभाल और शारीरिक सौंदर्य के प्रति जागरूक हैं।

एयरटेल और नोकिया ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस में पर्यटन यात्रा में क्रांति लाने और काशी विश्वनाथ मंदिर व स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की भव्यता को जीवंत करने के लिए किया सहयोग

नई दिल्ली । भारत की अग्रणी कम्युनिकेशन सॉल्यूशन प्रोवाइडर भारती एयरटेल ("एयरटेल"), और नोकिया मिलकर आईएमसी (इंडियन मोबाइल कांग्रेस) 2022 में आने वाले विजिटर्स को देश की पहली 5त्र-इनेबल्ड इमर्सिव एक्सपीरियंस अनुभव देंगे। यह विजिटर्स के लिए एक यादगार अनुभव होने वाला है। अल्ट्रा-फास्ट और लो लेटेंसी 5त्र नेटवर्क के फायदों को प्रदर्शित करते हुए एयरटेल और नोकिया स्टैच्यू ऑफ यूनिटी और काशी विश्वनाथ मंदिर के सांस्कृतिक वैभव को जीवंत करने के लिए होलोग्राफिक ग्राफिक्स का उपयोग करेंगे।

प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर और स्टेच्यू ऑफ यूनिटी की वास्तुकला और डिजाइन के वास्तविक अनुभव को सिम्युलेशन के माध्यम से लगभग सजीव होलोग्राम से जीवंत किया जाएगा। इस इमर्सिव वर्चुअल टूरिज्म के माध्यम से आम जनता को अपने घरों में बैठे ही दूर के स्थलों के दर्शन करने की सुविधा मिलेगी। ऐसे में 5G की शुरुआत के साथ ही ट्रेवल और टूरिज्म इंडस्ट्री को नए ढंग से परिभाषित करने में मदद मिलेगी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2019 में 2321 मिलियन घरेलू टूरिस्ट्स ने भारत के विभिन्न टूरिस्ट डेस्टिनेशन्स का दौरा किया। कोविड के दौरान लॉकडाउन के दौरान यह आंकड़ा घटकर लगभग 620 मिलियन रह गया था।

5जी की क्रांतिकारी बैंडविड्थ लाखों सोशल और इंडस्ट्रियल एप्लिकेशन्स के उपयोग के मामलों को सुविधा प्रदान करते हुए, कई संभावनाओं के द्वार खोल देगी। बीते एक वर्ष के दौरान भारत में एयरटेल ने 5त्र तकनीक का प्रयोग कई स्थानों पर, कई भागीदारों के साथ कई उपयोग के मामलों का परीक्षण करते हुए टेलीकॉम उद्योग का नेतृत्व किया है। एयरटेल ने नेक्स्ट जनरेशन की तकनीकों को तेजी से अपनाने के लिए अपने भागीदारों और स्टार्ट-अप्स का एक जीवंत इकोसिस्टम विकसित और उसे आगे बढ़ाया है, जिसमें हैदराबाद में लाइव 4जी नेटवर्क पर भारत का पहला 5जी अनुभव, भारत का पहला ग्रामीण 5जी परीक्षण, भारत का पहला क्लाउड गेमिंग अनुभव और ट्रायल स्पेक्ट्रम पर भारत के पहले निजी नेटवर्क को सफलतापूर्वक तैयार करना शामिल है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)